सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से पेज: 7

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 56 | गुरुवार 28 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

81 करोड़ लोगों की थाली होगी और सुरक्षित! धर्मेंद्र प्रधान ने गिनाए सार्थक-पीडीएस के फायदे

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को कहा कि सार्थक-पीडीएस योजना 81.35 करोड़ एनएफएसए लाभार्थियों की खाद्य सुरक्षा को मजबूत करेगी। इसके लिए 16वें वित्त आयोग की अवधि के लिए 25,530 करोड़ रुपये का केंद्रीय आवंटन किया गया है और यह योजना 31 मार्च 2031 तक जारी रहेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस योजना का एकीकरण और निरंतरता एक पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा, "कैबिनेट ने सार्थक-पीडीएस को एक व्यापक योजना के रूप में एकीकृत करने और जारी रखने को मंजूरी दे दी है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक एकीकृत, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।केंद्र सरकार ने बुधवार को 25,530 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय वाली सार्थक-पीडीएस

भारत-पाकिस्तान सीमा पर बॉर्डर सिक्योरिटी को और सुदृढ़ करने के लिए अमित शाह ने बीकानेर में सुरक्षा समीक्षा बैठक

नई दिल्ली एजेंसी: केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के बीकानेर में सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे जिलों से जुड़े सुरक्षा संबंधी मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में प्रत्येक सीमावर्ती जिले के लिए 360 डिग्री सुरक्षा फ्रेमवर्क तैयार करने का निर्णय लिया गया। इस एकीकृत प्रयास में स्थानीय नागरिकों, राज्य सरकार की मशीनरी और सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे सीमा प्रबंधन को और अधिक विस्तृत एवं मजबूत बनाया जा सके। बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों तथा बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर एवं

फलोदी के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट व पुलिस अधीक्षकों ने भाग लिया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि राज्य सरकार के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सीमा प्रबंधन को सशक्त एवं व्यापक बनाया जाए। बैठक के दौरान, गृह मंत्री अमित शाह ने अवैध निमार्णों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा से 0-15

अंतरराष्ट्रीय सीमा से 0-15 किलोमीटर के दायरे में हो रहे......

बैठक के दौरान, गृह मंत्री अमित शाह ने अवैध निमार्णों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा से 0-15 किलोमीटर के दायरे में हो रहे अवैध निमार्णों को जमींदोज करने का निर्देश दिया।

किलोमीटर के दायरे में हो रहे अवैध निमार्णों को जमींदोज करने का निर्देश दिया। शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और राज्य सरकार की मशीनरी के साथ समन्वित सीमा प्रबंधन रणनीति अपनाए जाने पर बल दिया, ताकि घुसपैठ, नारकोटिक्स तस्करी, अतिक्रमण, आतंकवादी फंडिंग और अन्य सीमा-पार अपराधों पर शिकंजा कसा जा सके। केन्द्रीय गृह मंत्री ने जिला मजिस्ट्रेटों को जिम्मेदारियाँ सौंपते हुए निर्देश दिया कि वे सभी बैंकों में पूर्ण कानूनी एवं वित्तीय अनुपालन सुनिश्चित करें, प्रमुख व्यवसायिक प्रतिष्ठानों का सत्यापन करें, उनके फंडिंग स्त्रोतों की जांच करें, म्यूल खातों एवं शेल कंपनियों को ट्रैक करें, फर्जी आधार कार्डों की पहचान करें तथा तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करें। इसके अलावा, गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि साइबर अपराधों के त्वरित निवारण के लिए 1930 कॉल सेंटर का प्रभावी उपयोग किया जाए तथा क्षेत्र में कानून प्रवर्तन व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए तीन नए आपराधिक कानूनों का पूर्ण रूप से कार्यान्वयन किया जाए।

अखिलेश यादव का तंज, बोले- यूपी की जनता अगले चुनाव में भाजपा को धो-पटक कर सुखा देगी

लखनऊ एजेंसी: समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बिजली संकट के बीच निशाना साधते हुए राज्य सरकार की कार्ययोजना पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा में अब कोई दम नहीं बचा है। एक पोस्ट में एसपी प्रमुख ने सवाल उठाया कि क्या उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ की समीक्षा बैठकों में आमंत्रित किया गया था, क्योंकि दोनों मंत्री अक्सर साथ नहीं देखे जाते। यादव ने पार्टी में आंतरिक कलह की ओर इशारा करते हुए कहा कि भाजपा के विधायकों-सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पर ऊर्जा संकट को

'दिल्ली की जनता द्वारा भेजे गए दूत की साजिश' न बताने के लिए भी कटाक्ष किया। बिजली कटौती पर निराशा व्यक्त करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिजली उप-स्टेशनों पर प्रादेशिक सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) कर्मियों को तैनात करके जनता के आक्रोश से बचने की कोशिश कर रही है। यादव ने कहा कि अगले चुनाव में जनता भाजपा को अच्छे से धो-पटाकर हमेशा के लिए सुखा देगी। शुक्र है उत्तर प्रदेश के 'असफल मुख्यमंत्री' ने यह नहीं कहा कि इस 'भयानक बिजली संकट' के पीछे दिल्ली से भेजे गए दूत की साजिश है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि क्या बिजली मंत्री मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठकों में शामिल नहीं होते या उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाता। यदि वे शामिल होते हैं, तो माननीय महोदय से अनुरोध है कि कंधे पर हाथ रखकर एक तस्वीर पोस्ट करें - जनता को आपके 'आपसी सौहार्द' से कुछ राहत मिल सकती है, क्योंकि जनता ने आप दोनों को कभी साथ नहीं देखा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा शासन में, बिजली उप-स्टेशनों पर पीएसी तैनात है, और विधायक-सांसद जनता के गुस्से से बचने के लिए कायरतापूर्वक अपनी ही सरकार के खिलाफ पत्र लिखते हैं। भाजपा में अब कोई दम नहीं बचा है। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि निर्बाध बिजली आपूर्ति उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रत्येक उपभोक्ता, जिसमें आम जनता, किसान, व्यापारी और उद्योगपति शामिल हैं

सीएम धामी का बड़ा बयान: उत्तराखंड 'विकसित भारत' लक्ष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अल्मोड़ा में सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन और कुलपति के आवास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री धामी ने राष्ट्रीय लक्ष्यों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि उत्तराखंड सतत विकास प्रयासों के माध्यम से इस लक्ष्य में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए उत्तराखंड ने इस विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया है और इस दिशा में

निरंतर कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने पिछले चार वर्षों में राज्य के विकास पथ पर प्रकाश डालते हुए आर्थिक विकास और पारिस्थितिक स्थिरता दोनों पर विशेष जोर दिया। धामी ने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों में विभिन्न नीतियों और योजनाओं के माध्यम से राज्य के समग्र विकास को गति देने के प्रयास किए गए हैं। एक महत्वपूर्ण पहल पर प्रकाश डालते हुए, धामी ने विशेष रूप से प्रगति और संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के राज्य के अग्रणी दृष्टिकोण का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीडीपी की परंपरा का अनुसरण करते हुए, उत्तराखंड भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने 'जीईपी' (सकल पर्यावरण उत्पाद सूचकांक) शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य राज्य की अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन स्थापित करना है। राज्य की अर्थव्यवस्था में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है, वहीं सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में पिछले एक वर्ष में ही 7.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है और राज्य की प्रति व्यक्ति आय में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सोमवार को मुख्यमंत्री धामी ने खातिमा के अपने दौरे के दौरान ब्लॉक कार्यालय परिसर में शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और सार्वजनिक सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति की सबसे मजबूत नींव है।

भाजपा के गढ़ बांकीपुर में प्रशांत किशोर का बड़ा दांव! क्या पीके की एंट्री से बदलेगा बिहार का सियासी गणित?

बिहार एजेंसी: जन सूरज पार्टी (जेएसपी) बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में चुनाव लड़ेगी। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने बुधवार को यह बात कही। साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक चाहते हैं कि जेएसपी के संस्थापक प्रशांत किशोर चुनाव लड़ें। जनवरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितिन नबीन के पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने पर यह सीट रिक्त हो गई थी। चुनाव आयोग ने अभी तक उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित नहीं किया है। जन सूरज पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक और चुनाव रणनीतिकार किशोर ने कहा कि उनकी पार्टी ने पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले आगामी उपचुनाव में चुनाव लड़ने का "सैद्धांतिक रूप से" निर्णय ले लिया है। जब उनसे सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या वे स्वयं उम्मीदवार होंगे, तो किशोर ने वही जवाब दिया

जो वे पहले भी दे चुके हैं: "यह पार्टी का निर्णय है।" 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भी उन्होंने यही जवाब दिया था, और तब उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा था। लेकिन अब राजनीतिक परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग हैं। बांकीपुर भाजपा का गढ़ है। नवीन, जिन्होंने अपने पिता की मृत्यु के बाद 2006 के उपचुनाव में पहली बार यह सीट जीती थी, ने पिछले साल आरजेडी उम्मीदवार रेखा कुमारी को लगभग 52,000 वोटों के अंतर से हराकर लगातार पांचवीं बार यह सीट बरकरार रखी और कुल वोटों का 62.66% हासिल किया। जेएसपी ने कारोबारी समुदाय से 37 वर्षीय नवोदित उम्मीदवार वंदना कुमारी को मैदान में उतारा था, जो तीसरे स्थान पर रहीं। किशोर बांकीपुर सीट को लेकर काफी आश्वस्त हैं और उनका दावा है कि वहां भाजपा को सिर्फ जन सूरज पार्टी ही हरा सकती है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का मानना है कि हमें सिर्फ एक मजबूत उम्मीदवार खड़ा करने की जरूरत है। आरजेडी और कांग्रेस दोनों ही इस सीट पर भारी अंतर से हार रही हैं। खबर यह भी है

सीएम विजय ने दिल्ली में पीएम मोदी से की मुलाकात, तमिलनाडु के विकास एजेंडे पर चर्चा

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की। इससे पहले दिन में, विजय इस महीने की शुरूआत में पदभार संभालने के बाद अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए नई दिल्ली पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, तमिलनाडु के मंत्री आदव अर्जुन और कई वरिष्ठ मंत्री विजय के साथ दिल्ली यात्रा पर है। हालांकि यात्रा का विस्तृत आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, सूत्रों ने बताया कि विजय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। सीतारमण के साथ अपनी मुलाकात में, विजय राज्य से संबंधित चल रही परियोजनाओं और प्रमुख अंतर-राज्यीय मुद्दों के लिए वित्तीय सहायता की मांग कर सकते हैं। बैठकों के दौरान, विजय राज्य की मांगों को रेखांकित करते हुए एक ज्ञापन प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसमें कल्याण और अवसंरचना परियोजनाओं के लिए धन आवंटन, विकास पहलों के लिए मंजूरी, मेकेदातु मुद्दा और पीएम श्री योजना का कार्यान्वयन शामिल है। तमिलनाडु में विजय के नेतृत्व वाली सरकार में कांग्रेस द्वारा किए गए चुनाव के बाद गठबंधन के बाद विजय के सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी मुलाकात करने की उम्मीद है। संभावित कार्यक्रम के अनुसार, विजय 28 मई को चेन्नई लौटेंगे। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु चुनावों में अपनी पार्टी को जीत दिलाने के बाद 10 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, पूछा- लाखों बच्चों के भविष्य पर पीएम मोदी चुप क्यों? बैठना जांच हो!

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर सीबीएसई की कक्षा 12 की परीक्षा के परिणामों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी के मामले में चुप्पी साधने का आरोप लगाया। गांधी ने पर लिखा कि सीबीएसई परीक्षा परिणामों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी हुई है, जिससे देशभर के लाखों बच्चे और उनके माता-पिता सदमे में हैं। और श्री मोदी? हमेशा की तरह झ कोई जवाब नहीं, कोई जवाबदेही नहीं, कोई शर्म नहीं। इसे जानबूझकर की गई साजिश बताते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि सीबीएसई का ठेका पाने वाली कंपनी सह-खरीद ने 2019 में तेलंगाना में ग्लोबारेना नाम से इसी तरह की हेराफेरी की थी। उन्होंने कहा कि जिस कंपनी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी, उसने 2019 में तेलंगाना में ग्लोबरेना नाम से इसी तरह का कारनामा किया था। उन्होंने आगे कहा कि नाम बदल गया झ लेकिन इरादा वही रहा। इतिहास

सबको पता था, फिर भी ठेका दे दिया गया। 18 लाख बच्चों का भविष्य ऐसी कंपनी के हाथों में सौंप दिया गया और किसी ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई। कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट में कई सवाल भी उठाए:
- सीबीएसई का ठेका सीओईएमपीटी को क्यों दिया गया और किसके निर्देश पर?
- ठेका देने में किन नियमों और प्रक्रियाओं की अनदेखी की गई?
- अगर सीओईएमपीटी पहले ग्लोबरेना नाम से विवादों में घिरी थी, तो सीबीएसई ने उसकी पृष्ठभूमि की जांच क्यों नहीं की?
- सीओईएमपीटी के प्रबंधन और मोदी सरकार के बीच क्या संबंध है?

राहुल गांधी ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की और कथित घोटाले के पीछे के असली दोषियों का पता लगाने के लिए तत्काल एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आह्वान किया। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सीबीएसई के जेन जेड साथियों - कोई भी आपकी मेहनत या आपके भविष्य को नहीं छीन पाएगा। हम इस साजिश की जड़ तक जाएंगे और इस भ्रष्टाचार को हमेशा के लिए जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास, सीएम हिमंत सरमा ने कही यह बड़ी बात

असम एजेंसी: असम विधानसभा ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सोमवार को यह विधेयक सदन में पेश किया था। इसके साथ ही असम पूर्वोत्तर का पहला और उत्तराखंड एवं गुजरात के बाद भाजपा शासित तीसरा राज्य बन गया है जिसने इस विधेयक को पारित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। विधेयक विपक्ष के हंगामे के बीच पारित हुआ, जिसने इसे चयन समिति को भेजने की मांग की है। यूसीसी 2026 के असम विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के प्रमुख वादों में से एक था, और राज्य मंत्रिमंडल ने इस महीने की शुरूआत में अपनी पहली बैठक में इसके मसौदे को मंजूरी दी थी। इस विधेयक का उद्देश्य राज्य के सभी निवासियों के लिए एक समान नागरिक कानूनी ढांचा तैयार करना है, जिसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मुद्दे शामिल हैं। इस विधेयक के प्रमुख प्रावधानों में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना और विवाह एवं लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण अनिवार्य करना शामिल है। मसौदा कानून के अनुसार, विवाह

समारोह के 60 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा, जबकि लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों को 30 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना होगा। राज्य सरकार के अनुसार, विधेयक में

असम विधानसभा ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 पारित कर दिया है, जिसका उद्देश्य राज्य में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप सहित सभी निवासियों के लिए एक समान नागरिक कानूनी ढाँचा तैयार करना है।

नियमों का पालन न करने पर दंड का भी प्रावधान है, जिसके तहत निर्धारित अवधि के भीतर विवाह या तलाक का पंजीकरण न कराने पर 10,000 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस ने 1925 में ही समान नागरिक संहिता की वकालत की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल अब धर्मनिरपेक्ष नहीं रहा और एक विशेष समुदाय का प्रतिनिधि बन गया है। 'असम, 2026 विधेयक' पर चर्चा के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून संविधान के अनुच्छेद 44 पर आधारित है, न कि भाजपा या आरएसएस की किसी विचारधारा पर, जैसा कि विपक्ष ने आरोप लगाया है। सरमा ने कहा कि समान नागरिक संहिता का लंबा इतिहास है। इसकी मांग सबसे पहले कांग्रेस ने 1925 में की थी। जवाहरलाल नेहरू ने भी 1937 में इसका सुझाव दिया था। वही कांग्रेस अब कुरान और शरीयत के नजरिए से इसका विरोध कर रही है, न कि हिंदू, ईसाई या आदिवासी नजरिए से। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस यूसीसी का विरोध कर रही है। उनकी विधानसभा संरचना से यह साबित होता है कि वे सभी जातियों, पंथों और धर्मों का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल एक विशिष्ट समुदाय का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कांग्रेस असम के भौगोलिक स्वरूप का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।

संपादकीय

न्यायसंगत आरक्षण

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण के लिए क्रीमी लेयर सिद्धांत का समर्थन करने से एक महत्वपूर्ण तार्किक चर्चा फिर से प्रारंभ हो गई है। जिसका मकसद है कि कैसे सकारात्मक पहल करके आरक्षण के उद्देश्य को अधिक न्यायसंगत, लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकता है। वास्तव में उनकी पहल का मकसद संवैधानिक सुरक्षा को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें वास्तव में इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। यानी कि अनुसूचित जाति समुदाय के सबसे गरीब, सामाजिक रूप से सबसे अधिक वंचित और आरक्षण के लाभ में सबसे कम प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग को लाभ पहुंचाने का मकसद पूरा करना। बहुत संभव है कि मुख्य न्यायाधीश के इस विचार से असहमति के तर्क दिये जाएं। वास्तव में, देश में दशकों से आरक्षण की बहस कोटा बढ़ाने पर केंद्रित रही है, लेकिन उनके न्यायसंगत वितरण की दिशा में पर्याप्त पहल नहीं हो पायी है। निर्विवाद रूप से अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे, अपेक्षाकृत बेहतर आर्थिक-सामाजिक स्थिति वाले वर्ग ने ही बार-बार शिक्षा और सरकारी रोजगार के अवसरों का लाभ उठाया है। वहीं दूसरी ओर पीढ़ी दर पीढ़ी अभावों के भंवर-जाल में फंसे परिवार- मसलन श्रमिक, सफाई कर्मचारी, भूमिहीन मजदूर परिवार लगातार हाशिये पर ही बने हुए हैं। यदि आरक्षण का मूल उद्देश्य संरचनात्मक असंतुलन को ही ठीक करना है तो इसके लाभ सीमित दायरे के लोगों को ही नहीं मिलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ओबीसी वर्ग के लिये यह प्रावधान सफलतापूर्वक लागू किया जा चुका है। इसमें दो राय नहीं कि क्रीमी लेयर का सिद्धांत आरक्षण लाभ में इस तरह के एकाधिकार को रोकने का एक सशक्त साधन है। इस प्रावधान का वंचित अनुसूचित जातियों तक विस्तार करना एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करता है कि सामाजिक गतिशीलता, हालांकि सीमित स्तर पर कुछ ही लोगों के लिये संभव हुई है। साथ ही अवसरों के अधिक न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिये नीति को अनुकूलित किया जाना वक्त की जरूरत है। वास्तव में वर्तमान स्थिति आरक्षण के न्यायसंगत लाभ वंचित वर्ग तक पहुंचाने में तार्किक नजर नहीं आती। जब किसी आईएएस अधिकारी या वरिष्ठ अधिकारी का बच्चा सामाजिक रूप से हाशिये पर गए वर्ग के किसी व्यक्ति के मुकाबले समान लाभों का दावा करना जारी रखता है तो इससे लक्षित उद्देश्य कमजोर हो जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि क्रीमी लेयर को बाहर करने पर उनके जातिगत भेदभाव होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन यह केवल यही दशार्ता है कि किसी भी ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समूह के भीतर, वंचितता की स्थिति अलग-अलग होती है। ऐसी अवस्था में, सबसे निचले स्तर के लोग राज्य के संरक्षण पाने के लिये प्राथमिकता के हकदार हैं।

चिंतन-मनन

मूर्तिकार का सपना

एक मूर्तिकार ने एक रात विचित्र स्वप्न देखा। वह किसी छायादार पेड़ के नीचे बैठा था। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उसे उठा लिया फिर उसे सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा- मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा। मूर्तिकार ने उसे छोड़ दिया। फिर उसने अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमें से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ति वहीं पेड़ के नीचे रख वह आगे चला गया। फिर कुछ समय बाद वह उसी पुराने रास्ते से गुजरा। उस स्थान पर पहुंचकर उसने देखा कि उस मूर्ति की पूजा-अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ लगी है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगी हैं। जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर उसने देखा कि उसकी बनाई मूर्ति के सामने न जाने क्या-क्या रखा है। जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ -फोड़ कर देवी की मूर्ति पर चढ़ा रहे है। तभी मूर्तिकार की नींद टूट गई। वह सपने के बारे में सोचने लगा। उसने निष्कर्ष निकाला कि जो लोग थोड़ा कष्ट झेल लेते हैं, उनका जीवन बन जाता है। विश्व उनका सत्कार करता है। पर जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शातिर सत्ताधीशों की सियासत का शिकार गोवंश

निर्मल रानी

भाजपा शासित राजस्थान में जैसलमेर में घटी एक अत्यंत संवेदनशील घटना ने देश के गौ भक्त समाज को झकझोर कर रख दिया। यहां के डंपिंग यार्ड में 500 से अधिक गायों के सड़े-गले शव और हड्डियां खुले में बिखरे हुए मिले पाये गये। इस जगह का दृश्य इतना भयावह व भीषण दुर्गंध पूर्ण था कि स्थानीय लोग और गौ-प्रेमी स्वभाविक रूप से इसे देखकर क्रोधित व विचलित हो गए। बताया जाता है कि इनमें से कई गायों की मौत जहरीला कचरा या पॉलीथिन खाने से हुई। जबकि इनमें बड़ी संख्या में ऐसी गायों के शव भी थे जिन्हें मृत पशुओं का निस्तारण करने वाले ठेकेदार ने इसी डंपिंग यार्ड में लाकर फेंक दिया था। भाजपा शासित राजस्थान में घटी इस दर्दनाक व शर्मनाक घटना ने सरकार व निजी गौ रक्ष संगठनों के गौ-रक्षा के दावों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं दोनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्योंकि यह केवल किसी की लापरवाही मात्र का नहीं बल्कि मानवता और हिन्दू आस्था दोनों के ही अपमान से जुड़ा मामला है।

गौरतलब है कि पिछले एक दशक से देश में मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों को गौरक्षा के नाम पर मारा जा चुका है। मुहम्मद अखलाक और पहलू खान जैसे अनेक लोगों की हत्या की खबरें देश विदेश के मीडिया में प्रसारित होकर देश की बदनामी का कारण भी बन चुकी है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2016-17 में इन्हीं कथित गौरक्षकों के संदर्भ में यह कह भी चुके हैं कि गोरक्षा के नाम पर गुंडागर्दी करने वाले 70-80 प्रतिशत लोग फर्जी हैं, जो रात में गैर-कानूनी काम करते हैं और दिन में गोरक्षक का चोला पहन लेते हैं। मोदी ने कहा था कि उन्हें उन लोगों पर बहुत गुस्सा आता है जो गोरक्षा के नाम पर अपनी दुकानें खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की पृष्ठभूमि की जांच करने और उनका डोजियर तैयार करने को भी कहा था। उस समय मोदी ने गोरक्षा के नाम पर हो रही हत्याओं की कड़ी निंदा भी की थी। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि गौ भक्ति के नाम पर लोगों की हत्या स्वीकार्य नहीं है।किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का हक नहीं है। उन्होंने असली गोरक्षकों को सलाह दी थी कि उन्हें गायों को प्लास्टिक खाने से बचाने के लिए काम करना चाहिए, क्योंकि कटने से ज्यादा गायें प्लास्टिक और कचरा खाने से मरती हैं।

गाय को लेकर बने देश के इसी तनावपूर्ण वातावरण में देश के मुस्लिम समाज ने उच्च स्तर पर कहीं फतवों से तो कहीं दिशा निर्देश जारी कर भारत के मुसलमानों को यह हिदायत जारी की है कि वे गाय की हत्या व गोमांस भक्षण यदि कहीं किया जा रहा है तो उससे पूरी तरह बाज आयें। यहाँ तक कि देश में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अनेक प्रमुख मुस्लिम उलेमाओं और संगठनों ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की वकालत की है। इनके अनुसार ऐसा करने से देश में नफरत और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगेगी, और बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान होगा। कई इस्लामी विद्वानों और मौलानाओं का तो स्पष्ट मत है कि इस्लाम में गौ मांस खाने को सख़्ती से मना किया गया है। पैगंबर मोहम्मद साहब के कथनों का हवाला देते हुए मौलानाओं द्वारा यह बताया गया है कि गाय के मांस में बीमारी है और उसके दूध में शिफा अर्थात राहत है। अनेक मुस्लिम संगठनों ने भी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठाई है, ताकि गाय को लेकर होने वाली सांप्रदायिक राजनीति पर पूर्ण विराम लग सके।

परन्तु हिंदूवादी संगठनों द्वारा गौ हत्या को लेकर केवल मुसलमानों पर निशाना साधने वालों को इसी सिक्के के दूसरे पहलू को समझना भी जरूरी है। इस सन्दर्भ में पिछले दिनों हुए असम चुनावों के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का वह बयान काबिल -ए -गौर है जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार लोगों के घर के अंदर गोमांस खाने अर्थात निजी खान-पान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। उन्हें इसे खाने से कोई मनाही नहीं है, लेकिन इसे सार्वजनिक तौर पर खाने के बजाय अपने घरों के अंदर खाना चाहिए। लेकिन सार्वजनिक रूप से या धार्मिक स्थलों के आसपास इसका सेवन कानूनन और सामाजिक भावनाओं के खिलाफ है। सवाल यह है कि जब गोवध होगा तभी तो गोमांस घरों में भी खाया जा सकेगा ? दूसरे यह कि केवल मुसलमान ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों व जातियों के लोगों द्वारा भी बड़ी संख्या में गौमांस भक्षण किया जाता है तभी वोट बैंक के मद्देनजर यह बयान मुख्यमंत्री द्वारा दिया गया।

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है।

पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है।

पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को 'निरस्त्र' करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे।

निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा।

इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा।

भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दिशा यदि मानवता केंद्रित रही तो यह सभ्यता को नई ऊंचाइयां दे सकती है, लेकिन यदि यह शक्ति नियंत्रण और नैतिकता से मुक्त हो गई तो यह मानव इतिहास के सबसे बड़े संकट एवं महाविनाश का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज आवश्यकता तकनीकी प्रगति की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण प्रगति की है-जहां मशीनें विकसित हों, किंतु मानवता सर्वोच्च बनी रहे।

पर्यावरण चिंतन- बढ़ती गर्मी नहीं, ये है भविष्य की भयावह चेतावनी

आग उगलता आसमान और हीट वेव की गिरफ्त में भारत...

बदलती जलवायु के कारण भारत सहित दुनिया के अनेक हिस्से भीषण हीट वेव की चपेट में है। अब यह संकट पारंपरिक क्षेत्रों से निकलकर तटीय इलाकों तक फैल चुका है। अंधाधुंध शहरीकरण, घटती हरियाली और कंक्रीट के बढ़ते निर्माण से 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे दिन और रातें अत्यधिक गर्म हो रही हैं। राजस्थान के बाड़मेर से लेकर दिल्ली की गलियों और विदर्भ के मैदानों तक पारा 45 डिग्री सेल्सियस के स्तर को पार कर चुका है। यह केवल बढ़ते तापमान का आंकड़ा नहीं है बल्कि यह एक गहराता सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और आर्थिक चेतावनी है। हीट वेव अब केवल मौसमी असुविधा नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और मानव अस्तित्व के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और कंक्रीट के फैलते जंगलों ने जीवन को लू की लपटों में समेट दिया है।

मौसम विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के ताजा आंकड़ों ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। पिछले चार दशकों में हीट वेव (लू) से होने वाली मौतों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। गौर करने वाली बात यह है कि हीट वेव अब केवल अपने पारंपरिक गढ़ (उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत) तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने दक्षिण भारत के उन तटीय इलाकों को भी अपनी चपेट में ले लिया है, जो ऐतिहासिक रूप से कम ताप प्रभावित रहते थे। अध्ययन बताते हैं कि 1981 से 2000 के बीच लू की औसत अवधि जहां 2.5 से 5.5 दिन थी, वहीं 2001 से 2020 के बीच यह बढ़कर 8.5 दिन तक पहुंच गई। लू का भौगोलिक दायरा भी 11.9 लाख वर्ग किलोमीटर से फैलकर 18.1 लाख वर्ग किलोमीटर हो चुका है। यह विस्तार बताता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की कड़वी हकीकत है। हमारे शहर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो चुके हैं, जो दिनभर गर्मी सोखते हैं और रात में उसे मुक्त करते हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' का प्रभाव पैदा होता है। इस तपती आग में सबसे अधिक जोखिम उन लोगों (रेहड़ी-पटरी वाले, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर) का है, जो खुले आसमान के नीचे अपना वजूद तलाशते हैं। इनके पास न तो कूलिंग सेंटर की सुविधा है और न ही काम के घंटों में लचीलापन। इसके साथ ही बच्चे और बुजुर्ग इस बढ़ते 'डिस्कंफर्ट इंडेक्स' के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पढ़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है। भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए।

यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्रायः दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन से यह स्पष्ट हो चुका है कि तापमान में वृद्धि तथा लू का मानव शरीर पर व्यापक असर पड़ रहा है। गर्म हवाओं से ब्रेन स्ट्रोक, हृदयाघात, नसों में खून के थक्के जमने की आशंका, स्थायी विकलांगता का खतरा बढ़ जाता है और इससे मृत्यु दर में भी वृद्धि हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हीट वेव बाढ़ के बाद दूसरी सबसे घातक आपदा है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौतियां पेश कर रही है। लू का असर हृदय तथा फेफड़े जैसे अंगों पर सर्वाधिक पड़ता है, जो बेहद खतरनाक हो सकता है। हीट वेव से ऐसे लोगों की स्थिति और खराब होने की संभावना होती है, जो हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी इत्यादि समस्याओं से पीड़ित हैं। आईएमडी के मुताबिक वैसे तो हर साल दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना इत्यादि उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में मार्च से जून के दौरान हीट वेव का दौर चलता है लेकिन जैसे-जैसे पृथ्वी की जलवायु गर्म होती जा रही है, दिन और रात भी सामान्य से अधिक गर्म होते जा रहे हैं, जिससे हीट वेव की घटनाएं बढ़ रही हैं और मौतों तथा बीमारियों की आशंका भी बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि भारत में हीट वेव को लेकर ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हो रही है? पिछले 30 वर्षों के तापमान तथा गर्म हवाओं का आकलन करते हुए आईआईटी खड़गपुर के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया था कि घटती हरियाली, शहरीकरण तथा कंक्रीट से निर्माण के कारण ही अब प्रतिवर्ष हीट वेव में वृद्धि हो रही है। प्रायः देखा जाता है कि एक ही शहर में कुछ जगहों पर उच्च तापमान दर्ज किया जाता है तो कुछ जगहों पर तापमान कम रहता है। कुछ स्थानीय कारण इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। दरअसल अधिक हरे-भरे इलाकों में तापमान कम दर्ज किया जाता है जबकि चारों ओर बसी कालोनियों तथा ऊंची-ऊंची इमारतों वाले इलाकों में तापमान ज्यादा दर्ज होता है। तकनीकी भाषा में इसे 'अर्बन हीट आईलैंड इफैक्ट' कहा जाता है। पेड़-पौधों की कमी, अधिक शहरीकरण तथा कंक्रीट से अधिक निर्माण इत्यादि विविध कारणों से शहर ज्यादा तप रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ी वजह शहरों में निरन्तर बढ़ता जनसंख्या घनत्व भी है। जनसंख्या का घनत्व बढ़ते जाने से हरियाली नष्ट हो रही है और शहरों में हरे-भरे प्राकृतिक क्षेत्रों को भी सीमेंट तथा कंक्रीट के तपते जंगलों में तब्दील किया जा रहा है। दुनियाभर में विभिन्न शोधों के आधार पर वैज्ञानिक जलवायु संकट को ही लू के लिए जिम्मेदार मान रहे है, जिनका कहना है कि शहरीकरण तथा जनसंख्या घनत्व इसमें बड़ा योगदान देते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के मुताबिक लू से अर्थव्यवस्था को चौतरफा नुकसान होता है। डब्ल्यूएमओ का कहना है कि बढ़ते तापमान का अर्थ हीट वेव का बढ़ना, बहुत ज्यादा मात्रा में बर्फ का पिघलना, समुद्र जलस्तर का बढ़ना तथा मौसम की चरम घटनाओं का और ज्यादा विनाशकारी होना है, जिसका सीधा प्रभाव पर्यावरण, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास पर पड़ेगा। इतिहास के सबसे गर्म वर्षों में लगभग सभी साल पिछले तथा इस दशक से ही रहे हैं। ब्रिटिश मौसम कार्यालय के एक अध्ययन में शोधकताओं ने कहा है कि यदि जलवायु पविर्तन नहीं हो रहा होता तो ऐसा चरम तापमान प्रत्येक 312 वर्षों में एक बार ही देखने को मिलता। अध्ययन में शोधकताओं ने भारत और पाकिस्तान में हर तीन साल बाद प्रचण्ड लू की आशंका जताते हुए दावा किया कि जलवायु परिवर्तन गर्मी की तीव्रता को जिस तेजी से बढ़ा रहा है, उससे इन क्षेत्रों के लोगों को आने वाले वर्षों में सौ गुना ज्यादा लू के थपेड़े झेलने पड़ सकते हैं।

बहरहाल, अत्यधिक तापमान से जहां सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों की चिंता बढ़ जाती है, वहीं हीट वेव का श्रमिकों की उत्पादकता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे देश की समग्र अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अत्यधिक गर्मी के कारण करीब 101 अरब घंटे खो देता है, जो पूरी दुनिया में सर्वाधिक है और 3.5 करोड़ लोगों द्वारा एक वर्ष में 8 घंटे कार्य करने वाले लोगों द्वारा किए गए कार्य के बराबर है। आईएलओ की रिपोर्ट में भीषण गर्मी तथा लू के कारण 2030 तक दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को 4.2 ट्रिलियन डॉलर की क्षति का अनुमान लगाया गया है। भारत के संदर्भ में इम्पीरियल कॉलेज में जलवायु विज्ञान के सीनियर लेक्चरर डॉ. फ्रेडरिक औटो कहते हैं कि भारत में मौजूदा गर्म हवाओं का एक बड़ा कारण कोयला तथा अन्य जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना है और जब तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं होगा, तब तक भारत तथा अन्य स्थानों पर हीट वेव और भी गर्म व खतरनाक होती जाएगी। इन घातक स्थितियों से बचने के लिए जलवायु संकट से निपटने के अन्य उपायों के अलावा प्राकृतिक जंगलों के संरक्षण तथा आवासीय इलाकों में भी हरियाली बढ़ाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को भी बढ़ावा देना होगा।

मकनपुर शुमाली में आतिशबाजी भंडारण की एनओसी को लेकर आपत्तियां आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिला मजिस्ट्रेट अमरोहा ने सार्वजनिक सूचना जारी कर बताया है कि मैसर्स वीपीसी पायरो ट्रेड एलएलपी द्वारा हसनपुर तहसील के ग्राम मकनपुर शुमाली में आतिशबाजी मैगजीन भंडारण एवं विक्रय की अनुमति के लिए आवेदन किया गया है। फर्म के पार्टनर आशु सिंघल पुत्र मनोज कुमार सिंघल, निवासी 92 गंगा मंदिर वाली गली, चाहकमाल, हापुड़ ने गाटा संख्या 186 मि०, ग्राम मकनपुर शुमाली, थाना व तहसील हसनपुर में 70,000 किलोग्राम क्षमता की आतिशबाजी मैगजीन भंडारण तथा आतिशबाजी विक्रय की स्वीकृति हेतु मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर के यहां आवेदन किया है। एडीएम ने बताया कि नियम 102 एवं 103 के अंतर्गत आवेदक फर्म को अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाना है। इस क्रम में जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त गाटा संख्या पर आतिशबाजी भंडारण व विक्रय को लेकर यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या आक्षेप है तो वह अपने साक्ष्यों सहित 25 जून, 2026 तक कार्यालय अपर जिला मजिस्ट्रेट, अमरोहा में आपत्ति दर्ज करा सकता है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी आपत्तियों का नियमों के अनुसार निस्तारण करने के बाद ही एनओसी जारी करने पर निर्णय लिया जाएगा।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 7 माह 21 दिन में हुई 10 साल की सजा, लगा 15 हजार का जुमार्ना

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत अमरोहा पुलिस और अभियोजन की त्वरित कार्रवाई का बड़ा उदाहरण सामने आया है। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने मात्र 36 दिन में चार्जशीट दाखिल कर 7 महीने 21 दिन के रिकॉर्ड समय में दोषी को सजा दिला दी। आपको बता दे कि थाना रजबपुर में वादी ने तहरीर देते हुए बताया था कि सोनू पुत्र ओमप्रकाश, निवासी ग्राम दारानगरगंज थाना कोतवाली शहर जनपद बिजनौर ने उसकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने तत्काल मु0अ0सं0 145/2025 धारा 137(2), 64 BNS U 3/4 पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया। विवेचक उ0नि0 सुनील कुमार ने साक्ष्य संकलन की कार्यवाही तेजी से पूरी की। गुणवत्तापूर्ण विवेचना कर आरोपी सोनू के खिलाफ मात्र 36 दिवस में आरोप पत्र माननीय न्यायालय में प्रेषित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना स्तर एवं मॉनिटरिंग शाखा द्वारा प्रभावी पैरवी की गई। सभी गवाहों को समय से न्यायालय के समक्ष पेश कराया गया। विशेष लोक अभियोजक बसंत सिंह सैनी की सशक्त पैरवी के चलते बुधवार 27 मई को न्यायालय ने आरोपी सोनू को धारा 137(2), 64 BNS U 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी करार दिया। न्यायालय ने दोषी को 10 वर्ष का कठोर कारावास और कुल 15,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। एसपी लखन सिंह यादव ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला और बाल अपराधों में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जा रहा है। विवेचना और पैरवी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज

मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि बनाने हेतु सौंपा निमंत्रण पत्र

भगवान दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव समिति गजरौला अमरोहा के प्रतिनिधि मंडल ने भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष उदयगिरी गोस्वामी एवं नगर पालिका परिषद गजरौला के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक हरपाल सिंह से भेंट कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भगवान दक्ष प्रजापति जयंती महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए बता दे कि इस दौरान समिति पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी 25 जुलाई 2026 को गजरौला में सृष्टि निमार्ता ब्रह्मा के मानस पुत्र भगवान दक्ष प्रजापति की जयंती महोत्सव अत्यंत भव्य एवं दिव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में लगभग 35000 हजार श्रद्धालुओं एवं सर्व समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रहने की संभावना है।प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि यह महोत्सव समाज की एकता, सांस्कृतिक चेतना एवं धार्मिक आस्था का प्रतीक बनेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा समाज उत्थान से जुड़े विभिन्न आयोजन भी किए जाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने भगवान दक्ष प्रजापति के आदर्शों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर डॉ उत्तम सिंह प्रजापति पूर्व मंडल अध्यक्ष, डॉ जगदेव सिंह प्रजापति, राजनीश कुमार, योगेश कुमार प्रजापति, सुरेश कुमार प्रजापति, विजय पाल सिंह हलवाई, उमेश कुमार प्रजापति आदि उपस्थित रहें।

भाकियू (लोकशक्ति) के किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील परिसर में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय सचिव डॉ.सुमित कुमार नागर के नेतृत्व में किसानों एवं आमजन की विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी धनौरा के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई। बता दें कि इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय सचिव डॉ.सुमित कुमार नागर ने कहा कि धनौरा क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से किसान और आमजन भारी परेशान हैं।खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों की फसलें खराब होने की

स्थिति में पहुंच रही हैं। उन्होंने क्षेत्र में नियमित एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की।इसके अलावा आवारा पशुओं से किसानों की फसलें लगातार बर्बाद हो रही हैं। संगठन ने मांग की कि आवारा पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में भेजा जाए। ज्ञापन में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने तथा आम जनता को राहत देने की भी मांग उठाई गई।डॉ. सुमित कुमार नागर ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उचित व्यवस्था कराई जाए तथा पशु-पक्षियों के लिए भी पानी की समुचित व्यवस्था हो। साथ ही बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाते हुए युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की गई।उन्होंने आरोप लगाया कि मण्डी समिति में किसानों का उत्पीड़न किया जा रहा है तथा धनौरा शुगर मिल द्वारा किसानों का करोड़ों रुपये का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है और राशन कार्ड के नाम पर हो रही धांधली पर रोक लगाई जाये तथा राशन कार्ड जोड़ने के नाम पर माँगे जा रहे अवैध शुल्क की निष्पक्ष जांच सर कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। इस मौके पर मुख्य रूप से डॉक्टर सुमित कुमार नागर हुकुम सिंह सुभाष यादव नीरज यादव गंगाराम सिंह चुनी सैनी अशोक सैनी सोनू रमेश संजय प्रजापति राजे सिंह जय सिंह मदन पाल हिमांगी नागर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गजरौला में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगे 5 नए सीसीटीवी कैमरे, पुलिस ने नागरिक सहभागिता का किया सम्मान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत थाना गजरौला क्षेत्र में 5 नए सीसीटीवी कैमरों की स्थापना कराई गई है। पुलिस ने सीसीटीवी लगवाने में सहयोग करने वाले नागरिकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। आपको बता दे कि पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया एवं थाना प्रभारी गजरौला मनोज कुमार के नेतृत्व में प्रभावी रूप से संचालित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर अपराधों की रोकथाम करना, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़

बनाना तथा किसी भी संभावित आपराधिक घटना को घटित होने से पहले ही नियंत्रित करना है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा सकेगी, जिससे असामाजिक तत्वों द्वारा अपराध किए जाने की संभावना न्यूनतम होगी। ज्ञात रहे है कि इससे पूर्व भी थाना गजरौला पुलिस द्वारा खान-पान के होटलों, प्रमुख तिराहे-चौराहों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जा चुके हैं, जो अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस दौरान पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने वाले नागरिकों को सम्मानित कर अन्य लोगों को भी कैमरे लगवाने के लिए प्रेरित किया है।

थाना प्रभारी मनोज कुमार ने आमजन से अपील की कि कस्बों एवं ग्रामों के मुख्य चौराहों, आवागमन मार्गों तथा सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराएं, जिससे क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

शहरों में सख्ती के बाद गांवों की ओर मुड़े प्रॉपर्टी डीलर, अवैध प्लॉटिंग का नया खेल

अमरोहा (सब का सपना):- शहरों में अवैध प्लॉटिंग पर प्रशासन की सख्ती के बाद प्रॉपर्टी डीलरों ने अब ग्रामीण क्षेत्रों का रुख कर लिया है। सरकार द्वारा अवैध कॉलोनियों और बिना नक्शा पास कराए प्लॉटिंग करने वाले डीलरों पर शिकंजा कसते ही इनका खेल गांवों की तरफ शिफ्ट हो गया है। सूत्रों की मानें तो शहरों में लगातार हो रही छापेमारी और एडीए-विकास प्राधिकरण की कार्रवाई से बचने के लिए बड़े प्रॉपर्टी डीलर अब गांवों में सस्ती जमीन खरीदकर अवैध तरीके से प्लॉट काट रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में न तो नक्शा पास कराने का झंझट है और न ही विकास शुल्क जमा करने का डर। कृषि योग्य भूमि को ऊंचे दामों में खरीद कर छोटे-छोटे टुकड़ों में बेचा जा रहा भोले-भाले किसानों को ऊंचे दाम का लालच देकर कृषि भूमि खरीदी जा रही है और फिर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर बेचा जा रहा है। इतना ही नहीं, इन प्रॉपर्टी डीलरों का खेल भी निराला है। ऐसे डीलर ग्रामीण क्षेत्रों में मार्केट रेट से कुछ महंगे दामों पर किसान से जमीन का सौदा करते हैं। कुल रकम का कुछ प्रतिशत किसान को पहले दे दिया जाता है और बाकी भुगतान के लिए 6 महीने या 1 साल का समय ले लिया जाता है। उसके बाद तुरंत प्लॉट काटकर बेचना शुरू कर दिया जाता है। महंगाई और ज्यादा मुनाफे के लालच में किसान भी अपनी जमीन बेच देता है, लेकिन समय पर पूरा भुगतान न मिलने से आखिर में किसान के हाथ कुछ नहीं लगता। जनपद के हसनपुर, धनौरा तहसील क्षेत्र में बड़े पैमाने पर खेला जा रहा यह खेल जनपद के हसनपुर और धनौरा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत दर्जनों गांवों में पिछले कुछ वर्षों से कई ऐसी अवैध कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। ग्राहकों को लुभाने के लिए ये प्रॉपर्टी डीलर जमीन को 143 में दर्ज बताते हैं और 30 फुट चौड़ी सड़क का झांसा देकर भोले-भाले ग्रामीणों को 50 गज, 60 गज, 100 गज और 200 गज के प्लॉट बनाकर ठगने का काम कर रहे हैं। सफेदपोशों के संरक्षण का आरोप चर्चा है कि इन प्रॉपर्टी डीलरों के सिर पर कई सफेदपोश नेताओं का हाथ है। इसी वजह से इनके खिलाफ कार्रवाई करने में विभागीय अधिकारी भी कतराते हैं। बिना ले-आउट पास कराए, बिना धारा-143 के तहत भू-उपयोग परिवर्तन और बिना मूलभूत सुविधाओं के ही कॉलोनियां बसाई जा रही हैं। सड़क, नाली, बिजली, पानी की कोई व्यवस्था नहीं होती। बाद में प्लॉट खरीदने वाले लोग दाखिल-खारिज, रजिस्ट्री और मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होते हैं। प्रशासन सख्त, जल्द चलेगा अभियान प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी अवैध प्लॉटिंग की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। जल्द ही राजस्व और विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम बनाकर गांवों में भी अभियान चलाया जाएगा।

अवैध कॉलोनाइजरों को चिह्नित कर एफआईआर दर्ज की जाएगी और भू-माफिया एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांवों की उपजाऊ जमीन को बर्बाद होने और गांवों को उजड़ने से बचाने के लिए अवैध प्लॉटिंग पर तुरंत रोक लगाई जाए। साथ ही दोषी डीलरों के साथ-साथ संरक्षण देने वाले नेताओं पर भी कार्रवाई हो।

3 माह से मानदेय न मिलने पर NHM संविदा कर्मियों में रोष, डीएम को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारियों एवं आशाओं को पिछले तीन माह से मानदेय न मिलने के कारण आर्थिक संकट गहरा गया है। बुधवार को उ0प्र0 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लंबित मानदेय, पीबीआई और अन्य भुगतानों को तत्काल कराने की मांग की। कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि मार्च 2026, अप्रैल 2026 और मई 2026 का मानदेय अभी तक खातों में नहीं पहुंचा है। इसके अलावा पिछले 3 माह से परफॉर्मेंस बेस्ड इंसेंटिव (PBI) और 1 साल से सेंटर की सफाई व कम्युनिकेशन का भुगतान भी लंबित है। प्रदेश स्तर से बजट जारी होने के

बावजूद भुगतान न होने से कर्मचारियों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है। बच्चों की स्कूल फीस, किताबें और दैनिक खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। कई कर्मचारी उधार लेकर घर चला रहे हैं। आर्थिक तंगी के चलते परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। बताया गया कि प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर 21 मई 2026 से जिले भर के संविदा कर्मचारियों ने "No Pay-No Work" की नीति अपनाते हुए कार्य बहिष्कार कर दिया था। 20 मई को मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आश्वासन दिया था कि 25 मई तक मानदेय का भुगतान कर दिया जाएगा। CMO के आश्वासन पर सभी कर्मचारी काम पर लौट आए थे और सेवाएं सुचारू रूप से दे रहे हैं। वहीं पत्र में आरोप लगाया है कि 25 मई की डेडलाइन बीतने के बाद भी 27 मई तक किसी कर्मचारी को एक भी माह का मानदेय नहीं मिला है। बार-बार आश्वासन के बावजूद भुगतान न होने से कर्मचारियों में भारी रोष है। ज्ञापन में डीएम से मांग की गई है कि संविदा कर्मचारियों और आशाओं के तीन माह के लंबित मानदेय, पीबीआई, सेंटर सफाई व कम्युनिकेशन का भुगतान तत्काल कराया जाए। संघ ने चेतावनी दी कि अगर जल्द भुगतान नहीं हुआ तो कर्मचारी फिर से आंदोलन को मजबूर होंगे।

डीएम की अध्यक्षता में व्यापार बंधु की बैठक आयोजित

व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता से करें निस्तारण:- जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने व्यापार बंधुओं द्वारा उठाई गई समस्याओं को ध्यान से सुना और संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण एवं प्राथमिकता से निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में व्यापारियों द्वारा मुख्य रूप से यातायात पुलिस, पुलिस, नगर पालिका गजरौला, नगर पंचायत नौगांवा सादात और जिला खाद्य एवं

आपूर्ति अधिकारी कार्यालय से संबंधित समस्याएं उठाई गईं। इनमें नौगांवा सादात में दुकानों के सामने ठेलों पर सामान बेचने की समस्या, वासुदेव तीर्थ स्थल एवं मिलन मेरिज हॉल अमरोहा के पास वाले रास्ते पर भारी वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही के कारण जाम की स्थिति, कोट चौराहे से कोतवाली तक रिक्शा एवं मिनी मेट्रो की अधिक संख्या के कारण लगातार जाम तथा धनौरा शहर में स्टेशन रोड पर अत्यंत गंभीर जाम की समस्या शामिल थी। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं व्यापार बंधु उपस्थित रहे।

तिगरी गंगा धाम में विधायक राजीव तरारा ने उत्सव भवन का किया शिलान्यास,1.41 करोड़ रुपए की लागत से होगा निर्माण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला तिगरी गंगा धाम में बुधवार को क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने उत्सव भवन का विधिवत भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर आसपास के क्षेत्र के लोगों के साथ ग्रामीण व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।गंगा धाम तिगरी में होने वाले इस उत्सव भवन के निर्माण में करीब 1 करोड़ 41 लख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस भवन के निर्माण होने से लोगों को सामाजिक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यों के लिए आयोजन में बड़ी सुविधाएं प्राप्त होंगी। बता दें कि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में गांवों- शहरों धार्मिक स्थलों के विकास को लगातार प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने इस परियोजना को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत किया और सरकार द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की।कार्यक्रम में तिगरी क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी मौजूद रहे।

महंगाई के खिलाफ सपा का जोरदार प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस की बढ़ती कीमतों पर भड़के सांसद-विधायक, जनआंदोलन की दी चेतावनी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- देश में लगातार बढ़ रही महंगाई के विरोध में समाजवादी पार्टी जिला इकाई संभल ने बुधवार को जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय बहजोई पहुंचे और महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल, दालें और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और गरीब परिवारों का घर चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर महंगाई रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। इस दौरान राज्यसभा सांसद जावेद अली खान ने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर भारी टैक्स के कारण परिवहन महंगा हो रहा है, जिसका सीधा असर हर वस्तु की कीमत पर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार तेल पर टैक्स कम करे और आवश्यक वस्तुओं के दाम नियंत्रित करे। वहीं संभल सांसद जियाउर रहमान ने कहा कि महंगाई के खिलाफ संसद से लेकर सड़क तक आवाज बुलंद की जाएगी। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है और खेती-किसानी से लेकर रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है। गुन्नौर विधायक राम खिलाड़ी यादव ने कहा कि वह इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस, दाल, आटा और सब्जियों के बढ़ते दाम गरीब की थाली से दूर होते जा रहे हैं, जबकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली भी कमजोर पड़ रही है।

पूर्व मंत्री अकिल उर रहमान और पूर्व विधायक राजेश यादव ने भी महंगाई के खिलाफ आवाज उठाते हुए सरकार पर जनता की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

सपा जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने कहा कि राष्ट्रपति के नाम भेजे गए ज्ञापन में महंगाई पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द राहत नहीं दी तो समाजवादी पार्टी आंदोलन को और तेज करेगी।

इस अवसर पर फिरोज खान, विमलेश कुमारी, उमेश दिवाकर, राजेश कुमारी, सुनीता यादव, दुर्गेश दिवाकर, ममता मधुकर, कचन राजौरिया, सजीव यादव, ताहिर उल्ला खान, उमेश यादव, इरफान प्रधान, अखिलेश यादव, ओमप्रकाश प्रजापति, विट्ठू कश्यप, सुरेंद्र यादव, शोभित कुमार, फैजान शाही, सद्दाम कुरैशी, बलवंत सिंह, सुभाष पाल, सुभाष वाल्मीकि, केपी सिंह, रजत यादव, रविंद्र सिंह, मनीष यादव, शिवम यादव, चेतन गुप्ता, आकाश शंखधार, अशोक राणा, मुजफ्फर प्रधान, विनोद शंखधार, जीशान, निसार अहमद, कमल शर्मा, आलम कुरैशी, सूरज यादव, सत्यभान यादव, सतेंद्र यादव, हाफिज अंजर, आरिफ प्रधान, शकील अंसारी, कपिल देव, वीरन यादव, विवेक आजाद, मनोज शर्मा, अनिकेत जाटव, राजू सागर, अंकित गुप्ता, गुड्डू ठाकुर, टीटू ठाकुर, अरुण जाटव, मुनीष जाटव सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईएमटी दिवस

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पायलटों को सीएमओ ने किया सम्मानित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई में ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विस संस्था द्वारा मंगलवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ ईएमटी दिवस मनाया गया। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 26 मई को पायलट दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पायलटों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पायलटों को बेस्ट पायलट अवार्ड का प्रमाण पत्र वितरित किया। इस दौरान नोडल अधिकारी डॉ. विश्वास अग्रवाल, डॉ. महेश गौतम, 108/102 जिला प्रभारी दयाशंकर, पंकज चहल तथा प्रोग्राम मैनेजर अनिल कुमार कुशवाहा मौजूद रहे। ईएमटी दिवस के उपलक्ष्य में सभी एंबुलेंस कर्मचारियों को मिठाइयां वितरित की गईं और जलपान कराया गया। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा गया कि आपातकालीन परिस्थितियों में एंबुलेंस कर्मचारी दिन-रात लोगों की सेवा कर रहे हैं। ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विस संस्था पूरे उत्तर प्रदेश में निशुल्क एंबुलेंस सेवा का संचालन करती है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पति पत्नी के विवादों को सुलह-समझौता से निस्तारित करने का किया गया प्रयास

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज रावत तथा क्षेत्राधिकारी दीपक तिवारी के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी चंदौसी में आयोजित की गई। बैठक परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान पति-पत्नी के मध्य चल रहे आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलरों के सहयोग से दोनों पक्षों की बात सुनकर समझौते कराने की पहल की गई। बैठक में कुल 28 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 5 मामलों का निस्तारण कराया गया। वहीं एक पत्रावली पर विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई, जबकि 4 पत्रावलियां आवेदक द्वारा बल न देने एवं अन्य कारणों से बंद कर दी गईं।

इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

केनरा बैंक आरसेटी बहजोई द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

सिरोलिया गांव की 35 महिलाओं को दिया जा रहा आर्टिफिशियल ज्वेलरी निर्माण प्रशिक्षण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के ब्लॉक जुनावाई क्षेत्र के गांव सिरोलिया की स्वयं सहायता समूह की 35 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केनरा बैंक आरसेटी बहजोई(सम्भल) द्वारा आर्टिफिशियल ज्वेलरी निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत 22 मई से गांव जड़वार स्थित सेंट एंथनी स्कूल में की गई। कार्यक्रम के दौरान केनरा बैंक आरसेटी के निदेशक विनीत तिवारी ने कहा कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या को कम करने, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा आधुनिक जीवन में सजावटी आभूषणों की बढ़ती मांग के बारे में जानकारी दी जा रही है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को आरसेटी की विभिन्न योजनाओं एवं स्वरोजगार से जुड़ी संभावनाओं के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया। कार्यक्रम में डोमेन स्किल ट्रेनर कमलेश द्वारा महिलाओं को आधुनिक कृत्रिम आभूषणों की उपयोगिता और बाजार में उनकी बढ़ती मांग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को रेशम के कंगन, मंगलसूत्र, माला सहित विभिन्न प्रकार के कृत्रिम आभूषण बनाना भी सिखाया गया। महिलाओं ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे रोजगार का बेहतर माध्यम बताया।

बंदर ले उड़ा एक लाख रुपये से भरा थैला, पुलिस ने खोजकर लौटाई रकम

असमोली/सम्भल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र की चौकी मनोटा में एक अनोखा मामला सामने आया, जहां एक बंदर टैम्पो से एक लाख रुपये से भरा थैला उठाकर पेड़ पर चढ़ गया। बाद में बंदर ने थैला नीचे फेंक दिया, जिसे एक राहगीर उठाकर अपने साथ ले गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सीसीटीवी कैमरों की मदद से राहगीर की पहचान कर पूरी रकम बरामद कर उसके मालिक को सौंप दी। जानकारी के अनुसार पीड़ित हासिम पुत्र अफसर अली निवासी ग्राम चन्दवार की मंढिया थाना असमोली ने चौकी मनोटा पर सूचना दी कि मंगलवार सुबह वह अपने टैम्पो में पंचर लगाने के लिए मनोटा पुल के पास रुका था। इसी दौरान वह टैम्पो के टूल बॉक्स से पाना चाबी और स्टेपनी निकाल रहा था। टूल बॉक्स में सफेद थैले में एक लाख रुपये नगद भी रखे हुए थे। हासिम ने बताया कि जब वह स्टेपनी बदल रहा था तभी अचानक एक बंदर टूल बॉक्स से रुपये से भरा थैला निकालकर पेड़ पर चढ़ गया। बाद में बंदर ने थैला नीचे फेंक दिया, जिसे एक राहगीर उठाकर स्कूटी से सम्भल की ओर चला गया। सूचना मिलते ही हाल ही में तैनात चौकी प्रभारी अरशद खान ने अपनी टीम के साथ तत्परता दिखाते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज के आधार पर स्कूटी सवार राहगीर की पहचान कर उसे तलाश किया गया। पुलिस ने उसके पास से एक लाख रुपये बरामद कर पीड़ित हासिम को वापस सौंप दिए। पुलिस की इस कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

बहजोई पुलिस ने 38 पव्वे देशी शराब के साथ दो दबोचे

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने गश्त के दौरान अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 38 पव्वे देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह महिला हेड कांस्टेबल रुचिन कुमार अपनी टीम में कांस्टेबल सचिन कुमार एवं कांस्टेबल अनुज कुमार के साथ चौकी बाहपुर पट्टी क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान लक्ष्मण दास बाबा की मंडी के पास मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति कट्टे में शराब के पव्वे लेकर कच्चे रास्ते से आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम जगतपाल पुत्र रूपराम एवं धारा सिंह पुत्र पुन्नी बताए। तलाशी के दौरान उनके पास से 38 पव्वे देशी शराब इंडियन टाइगर ब्रांड बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से शराब रखने का लाइसेंस मांगा गया, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। आरोपियों ने पूछताछ में शराब बेचकर गुजर-बसर करने की बात स्वीकार की। मौके पर आबकारी विभाग को सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई कराई गई तथा चार पव्वों को नमूने के रूप में सील किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक देवेन्द्र द्वारा की जा रही है।

डीएम के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई, 40 बीघा प्राचीन तालाब की भूमि कराई कब्जा मुक्त

सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर जनपद में सरकारी भूमि, चकमार्गों और तालाबों से अवैध कब्जे हटाने का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में बुधवार को तहसील सम्भल क्षेत्र के ग्राम मुजाहिदपुर सराय स्थित प्राचीन ब्रह्मव्रत तीर्थ के तालाब की करीब 2.5 हेक्टेयर यानी लगभग 40 बीघा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। बताया गया कि 20 मई को जिलाधिकारी द्वारा समस्त उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों और खण्ड विकास अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सरकारी भूमि, चकमार्गों एवं तालाबों से अवैध कब्जा हटाने के सख्त निर्देश दिए गए थे। साथ ही 2 हेक्टेयर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों का चिन्हीकरण कर सूची तैयार करने और कब्जा हटाने के निर्देश भी दिए गए थे। जिलाधिकारी के आदेशों के अनुपालन में बुधवार को उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने कार्रवाई की। इस दौरान तहसीलदार सम्भल धीरेन्द्र कुमार सिंह एवं नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल भी मौजूद रहे। टीम ने तालाब की भूमि का चिन्हीकरण कर उस पर किए गए अवैध कब्जे को हटाते हुए भूमि को कब्जा मुक्त कराया। उप जिलाधिकारी निधि पटेल ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद में तालाबों, चकमार्गों और सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने का अभियान लगातार चलाया जाएगा। वहीं जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने स्पष्ट कहा कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि तालाबों का संरक्षण जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन के लिए बेहद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से तालाबों के चिन्हीकरण, संरक्षण और अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है।

बछरायूं क्षेत्र में विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने के मामले में 6 पर केस दर्ज

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा तहसील के थाना बछरायूं क्षेत्र में एक विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने के मामले में ससुराल पक्ष के 6 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस कार्यवाही को पुलिस ने पीड़ित विवाहिता की तहरीर पर किया है और मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी। बता दें कि गजरौला कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिजोरा निवासी सर्वेश का विवाह वर्ष 2012 में रहमापुर माफी निवासी सतवीर के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले बेटा न होने और दहेज की मांग को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। अगस्त 2021 में आरोपियों ने सर्वेश को उसकी तीन बेटियों के साथ घर से निकाल दिया था। 26 अप्रैल को पति सतवीर, सास सावित्री और देवर मोनू पीड़िता के मायके पहुंचे। उन्होंने झूठा आश्वासन देकर सर्वेश और उसकी बेटियों को वापस ससुराल बुला लिया। पीड़िता के अनुसार, यह उन्हें मौत के मुंह में धकेलने की एक सोची-समझी साजिश थी। उसी रात करीब 11:30 बजे जब सर्वेश अपनी बेटी के साथ कमरे में सो रही थी, तभी देवर मोनू व कुलदीप,सास सावित्री, और देवरानी रजनी व लता एक राय होकर हाथ में पेट्रोल लेकर उसे जान से मारने की नीयत से कमरे में घुस आए लेकिन तभी पीड़िता की आंखें खुल गईं और उसने शोर मचाना शुरू कर दिया,शोर सुनकर आसपास के पड़ोसी उनके घर की तरफ दौड़े जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकले।

इस मामले में बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति सतवीर, सास सावित्री, देवर मोनू व कुलदीप, और देवरानी रजनी व लता के खिलाफ अपराध की संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

तालाब भूमि कब्जा मुक्त कराने में लापरवाही बरतने पर ग्र.वि. अधिकारी को डीएम ने किया निलंबित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी सम्भल के निर्देशानुसार जनपद में जल संरक्षण, तालाबों की मूल स्थिति पुनर्स्थापित करने तथा अतिक्रमण हटाओ अभियान को प्राथमिकता के आधार पर चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत लापरवाही बरतने वाले ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। विकास खण्ड जुनावई क्षेत्र के ग्राम पंचायत झुकेरा स्थित तालाब भूमि गाटा संख्या रकबा 2.290 हेक्टेयर को कब्जा मुक्त कराने की कार्रवाई में सहयोग न करने, बिना अवकाश स्वीकृत कराए मुख्यालय से अनुपस्थित रहने तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में अपेक्षित रुचि न लेने पर ग्राम विकास अधिकारी उमेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। मुख्य विकास अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी सम्भल की समीक्षा में पाया गया कि संबंधित कार्मिक द्वारा फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी, आयुष्मान कार्ड, पांडुलिपि सर्वे, मनरेगा मानव दिवस सृजन तथा गौशालाओं में हरा चारा एवं गर्मी से बचाव के प्रबंध जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भी लापरवाही बरती गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला विकास अधिकारी सम्भल द्वारा मंगलवार को उमेश कुमार को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई। मुख्य विकास अधिकारी ने इसके बाद समस्त ग्राम पंचायत सचिवों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि अतिक्रमण हटाओ अभियान, तालाब पुनरुद्धार, जल संचयन तथा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। शासनादेशों और उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल संरक्षण एवं वाटर कंजर्वेशन के लिए तालाबों का चयन किया जा रहा है। इन कार्यों को विकसित भारत-जीरामजी योजना एवं राज्य वित्त आयोग के कन्वर्जेंस के माध्यम से कराया जाएगा। साथ ही सभी खंड विकास अधिकारियों, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को नियमित भ्रमण कर तालाब जीर्णोद्धार और जल संचयन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

ईद मनाने घर आए युवक की सड़क हादसे में मौत

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- बकरीद की खुशियां मनाने के लिए मुंबई से अपने गांव लौटे एक युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम मंझेड़ा निवासी अनस (18) पुत्र बुन्दु मुंबई में रहकर एक सैलून पर काम करता था। वह आगामी बकरीद का त्योहार परिवार के साथ मनाने के लिए सोमवार को ही मुंबई से अपने गांव आया था। मंगलवार की शाम अनस अपने गांव निवासी साथी शाकिब के साथ बाइक से अफजलगढ़ की ओर जा रहा था।
बताया जाता है कि शेरकोट में हाईवे किनारे स्थित गैस एजेंसी के पास उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए चक शहजानी स्थित अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद अनस को मृत घोषित कर दिया, जबकि शाकिब की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार जारी है। मृतक के भाई जावेद ने बताया कि अनस पांच भाइयों में तीसरे नंबर का था और परिवार के साथ ईद मनाने की खुशी लेकर घर आया था। लेकिन घर पहुंचने के अगले ही दिन हुए इस हादसे ने पूरे परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया।
ईद से ठीक पहले जवान बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है और बड़ी संख्या में लोग परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं।
पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बकरीद की तैयारियों के बीच हुई इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को गमगीन कर दिया है।

भाजपा जिला मंत्री प्रभात यादव पार्टी से किए गए निष्कासित

बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिला मंत्री प्रभात यादव के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर उन्हें भाजपा की प्राथमिक सदस्यता तथा सभी संगठनात्मक दायित्वों से तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया गया है। इस संबंध में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान (बॉबी) द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह कार्रवाई पार्टी अनुशासन और संगठन की मयार्दा को ध्यान में रखते हुए की गई है। पत्र में कहा गया है कि प्रभात यादव को तत्काल प्रभाव से सभी पदों और जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। भाजपा संगठन की इस कार्रवाई के बाद जिले के राजनीतिक गलियारों में चचाओं का दौर तेज हो गया है। राजनीतिक विश्लेषक इस निर्णय को हाल के दिनों में सामने आए घटनाक्रमों से जोड़कर भी देख रहे हैं, हालांकि पार्टी की ओर से जारी पत्र में निष्कासन का आधार अनुशासनहीनता बताया गया है।
गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से प्रभात यादव का नाम विभिन्न चचाओं में सामने आ रहा था, जिसके बाद संगठन की ओर से यह कड़ा कदम उठाया गया है। भाजपा सूत्रों के अनुसार पार्टी नेतृत्व अनुशासन और संगठनात्मक मयार्दा के मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बरतने के पक्ष में नहीं है।
फिलहाल इस कार्रवाई के बाद जिले की राजनीतिक गतिविधियों पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। वहीं पार्टी कार्यकताओं के बीच भी इस निर्णय को लेकर व्यापक चर्चा जारी है।

नेहरू और रमाबाई अंबेडकर को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

बिजनौर (सब का सपना):- भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत के निमार्ता भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी बिजनौर द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकताओं ने पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा देश निर्माण, लोकतंत्र की मजबूती और आधुनिक भारत की नींव रखने में उनके योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्र भारत को शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्योग और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूत आधारशिला प्रदान की। उनके दूरदर्शी नेतृत्व का ही परिणाम है कि आज देश अनेक क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। वक्ताओं ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की धर्मपत्नी एवं त्याग, संघर्ष और समर्पण की प्रतिमूर्ति रमाबाई अंबेडकर की पुण्यतिथि भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कांग्रेस कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि रमाबाई अंबेडकर ने कठिन परिस्थितियों में डॉ. अंबेडकर के संघर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनके योगदान को इतिहास सदैव याद रखेगा। जिला अध्यक्ष सोशल मीडिया कांग्रेस बिजनौर काजी आतिफ अली ने कहा कि पंडित नेहरू द्वारा स्थापित लोकतांत्रिक परंपराएं, शैक्षिक संस्थान और विकास की नीतियां आज भी देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने युवाओं से कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने का आह्वान किया।
शहर कांग्रेस कमेटी के महासचिव मोहम्मद हनीफ एवं ब्लॉक अध्यक्ष मुहम्मदपुर देवमल गुलशन कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और भाईचारे की रक्षा के लिए संघर्ष करती रही है। उन्होंने युवाओं से देशहित में कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यालय अध्यक्ष अनिल त्यागी ने कहा कि युवाओं को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा हमेशा किसानों, मजदूरों, युवाओं और आम जनता के हितों की आवाज रही है। कार्यक्रम का संचालन शहर महासचिव मोहम्मद हनीफ ने किया।
इस अवसर पर काजी आतिफ अली, गुलशन कुमार, अनिल त्यागी, मोहम्मद हनीफ, रिहान, पुष्पेंद्र, मंसूर खान, बबलू, शब्बू, फरमान, जावेद, रईस, शाह आलम, इलियास सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।
अंत में उपस्थित कांग्रेसजनों ने देशहित, सामाजिक समरसता और संविधान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहने का संकल्प लिया।

तेज रफ्तार बाइक रेलिंग से टकराई, युवक की मौत; दूसरा गंभीर घायल

बिजनौर (सब का सपना):- सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से जा टकराई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार हरिद्वार-काशीपुर हाईवे पर नगीना थाना क्षेत्र के गांव मंझेड़ा शकरू निवासी 20 वर्षीय अनस अपने दोस्त साकिब के साथ बाइक से अफजलगढ़ की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही उनकी

बाइक शेरकोट क्षेत्र में जैन पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तभी अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर के पास लगी लोहे की रेलिंग से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल धामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने अनस को मृत घोषित कर दिया।
वहीं गंभीर रूप से घायल साकिब की हालत नाजुक देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। परिजन उसे उपचार के लिए एक निजी नर्सिंग होम ले गए हैं, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं।

रोडवेज बस की टक्कर से खुशियां मातम में बदलीं

सड़क हादसे के बाद लोगों में रोष, कार्रवाई की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर थाना क्षेत्र में नहटौर-कोतवाली देहात मार्ग पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवती की मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा फतेहपुर मंदिर के पास उस समय हुआ जब तेज रफ्तार रोडवेज बस ने पीछे से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार ग्राम खतापुर निवासी विशाल कुमार अपनी फुफेरी बहन 17 वर्षीय संजना के साथ बढ़ापुर से बाइक द्वारा अपने गांव लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही दोनों फतेहपुर मंदिर के पास

पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आ रही रोडवेज बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल नहटौर सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने संजना को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल विशाल का उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की खबर मिलते ही मृतका के परिजनों में चीख-पुकार मच गई। बताया गया कि संजना के परिवार में एक छोटा भाई भी है और उसकी मौत से परिवार गहरे सदमे में है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नहटौर कोतवाल रविन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं हादसे के बाद क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों को लेकर लोगों में नाराजगी दिखाई दी।

ग्राम मसीत में जनगणना कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण, अधिकारियों ने की सराहना

बिजनौर (सब का सपना):- जनगणना कार्य को समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक पूरा कराने के उद्देश्य से बुधवार को ग्राम मसीत में जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम में नियुक्त सभी प्रगणकों का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण पाया गया, जिससे प्रशासनिक अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार जिला जनगणना प्रभारी जेपी यादव तथा तहसीलदार चांदपुर एवं जनगणना चार्ज अधिकारी आलोक कटियार ने ग्राम मसित पहुंचकर जनगणना कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाया गया

कि ग्राम में तैनात सभी चारों प्रगणकों ने अपना कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि प्रगणकों द्वारा जनगणना संबंधी समस्त विवरण ऑनलाइन भी सफलतापूर्वक सबमिट कर दिया गया है। कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता को देखते हुए अधिकारियों ने सभी प्रगणकों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अधिकारियों ने अन्य क्षेत्रों में कार्यरत प्रगणकों को भी निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनगणना कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराएं, ताकि जनपद में जनगणना का कार्य निर्धारित समय सीमा में सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके। अधिकारियों ने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। इसलिए इसमें शुद्धता, पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखना सभी प्रगणकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

टोल कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर पुरैनी टोल प्लाजा पहुंचे भारतीय किसान जनशक्ति के पदाधिकारी

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना रोड स्थित पुरैनी टोल प्लाजा पर कार्यरत कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान जनशक्ति संगठन के पदाधिकारी मंगलवार को टोल प्लाजा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और टोल प्रबंधन के समक्ष उनका समाधान कराने की मांग उठाई। पदाधिकारियों ने बताया कि टोल प्लाजा पर कार्यरत कर्मचारियों को लंबे समय से कम वेतन, चिकित्सा सुविधाओं के अभाव तथा अन्य मूलभूत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों ने संगठन के समक्ष अपनी व्यथा रखते हुए बताया कि कार्य का दबाव लगातार बढ़ रहा है, लेकिन सुविधाओं और वेतन में अपेक्षित

सुधार नहीं किया जा रहा है।
भारतीय किसान जनशक्ति के प्रतिनिधियों ने टोल प्रबंधन पर कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टोल कर्मचारी दिन-रात मेहनत कर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त वेतन और आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जो चिंता का विषय है।
संगठन के पदाधिकारियों ने टोल मैनेजर से मुलाकात कर कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
इस अवसर पर संगठन के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द निस्तारण नहीं किया गया तो भारतीय किसान जनशक्ति संगठन कर्मचारियों के साथ मिलकर आंदोलन करने को मजबूर होगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित प्रबंधन की होगी।
वहीं टोल प्रबंधन की ओर से पदाधिकारियों को आश्वस्त किया गया कि कर्मचारियों की समस्याओं पर विचार किया जाएगा और नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। आश्वासन के बाद फिलहाल मामला शांत हो गया, लेकिन कर्मचारी और संगठन दोनों ही अब प्रबंधन की आगामी कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

पीईटी परीक्षा की तिथि बदली, अब 29 जून को होगी परीक्षा

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) ने प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET-2026) की तिथि में बदलाव कर दिया है। आयोग द्वारा जारी आवश्यक सूचना के अनुसार पहले यह परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जानी थी, लेकिन उसी दिन प्रस्तावित नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा को देखते हुए परीक्षा की तारीख बदल दी गई है। अब प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET-2026) का आयोजन 29 जून 2026 (सोमवार) को किया जाएगा। आयोग ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र निर्धारित समय पर आयोग की वेबसाइट के माध्यम से जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से नजर बनाए रखें। परीक्षा तिथि में बदलाव की सूचना के बाद प्रदेश के लाखों अभ्यर्थियों को राहत मिली है, क्योंकि बड़ी संख्या में ऐसे छात्र हैं जो विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और दोनों परीक्षाओं की तिथियां टकराने से असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। अब नई तिथि घोषित होने से अभ्यर्थियों को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय भी मिल जाएगा।

एनसीडी नियंत्रण को लेकर सीएचसी में समीक्षा व प्रशिक्षण कार्यशाला, अनुपस्थित कर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा में गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के प्रभावी नियंत्रण, स्क्रीनिंग और डेटा प्रबंधन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने की, जबकि जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (डीसीपीएम) बिजनौर की प्रतिनिधि पूनम ने भी विशेष रूप से प्रतिभाग कर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में स्योहारा ब्लॉक के अंतर्गत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में तैनात सभी सीएचओ को गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, पहचान और उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अनुपस्थित कर्मचारियों के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए उनके वेतन रोकने के आदेश भी जारी किए गए। डॉ. बी.के. स्नेही ने विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी सीएचओ को अपने-अपने क्षेत्रों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य गैर-संचारी रोगों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसीपीएम पूनम ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि वर्तमान समय में भारत में लगभग 66 प्रतिशत मौतें गैर-संचारी रोगों के कारण होती हैं, जिनमें हृदय रोग और मधुमेह प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और नियमित फॉलो-अप के माध्यम से इन बीमारियों पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। कार्यशाला में मरीजों के डेटा प्रबंधन को व्यवस्थित बनाने के लिए कलर कोडिंग प्रणाली पर भी विशेष जोर दिया गया। सीएचओ को निर्देश दिए गए कि विभिन्न रोगों के आधार पर मरीजों को गुलाबी, हरा, पीला और आसमानी नीले रंग की श्रेणियों में वगीर्कृत कर रजिस्टर का संधारण करें, जिससे फॉलो-अप और निगरानी कार्य अधिक प्रभावी हो सके। बैठक में माइक्रोप्लानिंग को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। सभी सीएचओ को निर्देशित किया गया कि वे सप्ताह में कम से कम दो दिन एनसीडी कैंप आयोजित करें तथा आगामी तीन माह का अग्रिम कार्ययोजना तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराएं। इसके अतिरिक्त ई-संजीवनी सेवा, आभा आईडी निर्माण, वेलनेस गतिविधियां, दैनिक रिपोर्टिंग, आयुष्मान कार्ड, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन कार्यक्रम और टीकाकरण अभियान की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए कि वे इन सभी योजनाओं के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें और अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ें। कार्यक्रम में बीपीएम शालिनी बिश्नोई, ब्लॉक अकाउंट मैनेजर हरिओम सिंह, एआरओ आलोक कुमार, डाटा एंट्री ऑपरेटर राशि, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक के अंत में सभी प्रतिभागियों से जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया गया।

श्री राम सभागार में बड़े मंगल दिवस पर किया गया सुन्दर कांड का पाठ

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर में श्री राम सभागार में बड़े मंगल दिवस पर शीतल पेय पदार्थ का वितरण एवं सुन्दर कांड पाठ किया गया। उसके बाद भजनों के माध्यम से बजरंगबली बाबा का गुणगान किया गया। नगीना चौराहे के निकट स्थित श्रीराम सभागार में शाम को सुंदरकांड का पाठ आयोजित किया गया। उसके बाद भजनों के माध्यम से बजरंगबली बाबा का गुणगान किया गया।

पंडित हर्षवर्धन शर्मा एवं उनके साथियों द्वारा सुंदरकांड का पाठ संगीतमय आयोजित किया गया। अंत में बजरंगबली बाबा की आरती कर प्रसाद एवं सहभोज का आयोजन किया गया। सब ने प्रसाद ग्रहण कर कर धर्म लाभ उठाया। कार्यक्रम में डॉ एन पी सिंह, डॉ शिखा सिंह, ई आशीष सिंह शिखा सिंह,सन्तोष राजपूत,डॉ दीपक देवरा,एड नरेंद्र सिंह,नागेश्वर गहलौत,डॉ ए के सक्सेना, डॉ रवेंद्र सिंह मनोज रस्तोगी, राम प्रकाश वर्मा, प्रीतम सैनी आदि शामिल रहे।

ग्रामीण पत्रकारिता के पुरोधा स्व. बाबू बालेश्वर लाल की 39 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- पत्रकार एसोसिएशन जनपद बुलंदशहर द्वारा संगठन के संस्थापक स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लालजी की 39 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा ग्रामीण पत्रकारिता में उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल जी ने उस दौर में ग्रामीण पत्रकारिता को नई पहचान दिलाई, जब गांव-कस्बों की समस्याएं मुख्यधारा की खबरों में स्थान नहीं पाती थीं। उन्होंने पत्रकारिता को केवल समाचार तक सीमित न रखकर समाज सेवा का माध्यम बनाया। उनके प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों की आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंची और अनेक सामाजिक मुद्दों को मजबूती मिली। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सदस्य चंद्रपाल सिंह ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल जी ने निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता की जो अलख जगाई, वह आज भी पत्रकारों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी हुई है। यही स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अनिल लोधी, उधम सिंह, यतेंद्र त्यागी योगेंद्र शर्मा सहित अनेक पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संस्थापक स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल की उपलब्धियों में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन देश के ग्रामीण पत्रकारों के हितों के लिए कार्य करने वाले प्रमुख संगठनों में से एक माना जाता है। स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल जी ने ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाकर पत्रकारिता को जनसेवा से जोड़ा। उस समय सीमित संसाधनों के बावजूद ग्रामीण पत्रकार गांव-गांव जाकर समाचार संकलित करते थे, जिसे आज भी पत्रकारिता की समर्पित परंपरा माना जाता है।

छात्र-छात्राओं को लैब ट्रेनिंग के बाद वितरण किए गए प्रमाण पत्र

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- दिशा इन्स्टीटयूट ऑफ साईन्स एण्ड टेक्नोलोजी के माइक्रोबायोलोजी विभाग में एक माह की माइक्रोबायालोजी लैब ट्रेनिंग करायी गयी थी। जिसमें सभी स्थानीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं को लैब ट्रेनिंग करायी गयी जिसके अन्तर्गत प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ट्रेनिंग के दौरान क्विज प्रतियोगिता भी करायी गयी जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। क्विज प्रतियोगिता में छात्रा इकरा अजीम पुत्री अजीम अहमद ने प्रथम, छात्रा सनोवर पुत्री तारिक अहमद ने द्वितीय तथा अक्शा पुत्री शमशाद हुसैन ने तृतीय स्थान तथा नाजिश पुत्री सालुददीन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। संस्था के महासचिव मुकेश कुमार अग्रवाल एवं संयुक्त सचिव अनिरूद्ध अग्रवाल ने बताया कि यह प्रशिक्षण सभी छात्र-छात्राओं को उनके भविष्य में बहुत ही उपयोगी साबित होगा। इस अवसर पर संस्था के रजिस्ट्रार राजीव कुमार, प्राचार्य डा० दुष्यन्त कुमार जैन, अकेडमिक इंचार्ज अमित कुमार विश्नोई, प्राचार्य (फामेर्सी) डा० विमल भारती, विभागाध्यक्ष प्रीति विश्नोई तथा जोली चौहान एवं मानसी और छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। प्रमाण पत्र वितरण के बाद संस्थान के रजिस्ट्रार राजीव कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐं दी। रजिस्ट्रार महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की प्रशिक्षण एवं शैक्षणित गतिविधियां छात्र-छात्राओं के ज्ञान, कौशल एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर प्राचार्य (फामेर्सी) डा० विमल कुमार भारती ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए माइक्रोबायोलोजी विषय के महत्तव को बताया कि माइक्रोबायोलोजी का क्षेत्र छात्र-छात्राओं के लिये रिसर्च, हेल्थकेयर, फार्मास्यूटिकल्स एवं लेबोरेट्री क्षेत्रों में अनेक रोजगार एवं करियर के अवसर प्रदान करता है।

चांदपुर और बढ़ापुर में वन विभाग का रेस्क्यू अभियान सफल, दो गुलदार कैद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में लगातार बढ़ रही गुलदार और तेंदुओं की गतिविधियों के बीच वन विभाग को बड़ी सफलता हाथ लगी है। चांदपुर स्थित शुगर मिल परिसर और बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम चड़वाला में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरों में दो अलग-अलग गुलदार कैद किए गए हैं। बीते 24 घंटे में लगातार हुई इन कार्रवाइयों के बाद ग्रामीणों और मिल कर्मचारियों ने राहत की सांस ली है। चांदपुर शुगर मिल परिसर में पिछले कई दिनों से तेंदुओं की गतिविधियां देखी जा रही थीं। परिसर में बैठे तेंदुओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन विभाग ने इलाके में पिंजरे लगाए थे। बुधवार को लगाए गए पिंजरे में एक तेंदुआ फंस गया। इससे पहले मंगलवार को भी एक तेंदुआ पकड़ा गया था। वन रेंजर दुष्यंत सिंह ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ करीब ढाई वर्ष का शावक है, जिसे सुरक्षित रेस्क्यू कर रेंज कार्यालय ले जाया गया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इलाके में एक नर, एक मादा और तीन शावक घूम रहे हैं। हालांकि वन विभाग ने अब तक एक मादा तेंदुआ और दो शावकों की ही पुष्टि की है। टीम लगातार शुगर मिल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी कर रही है तथा अन्य तेंदुओं को पकड़ने के लिए अतिरिक्त पिंजरे लगाए गए हैं। वहीं बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम चड़वाला में भी लंबे समय से आतंक का कारण बना गुलदार आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। ग्रामीणों के अनुसार गुलदार लगातार खेतों और गांव के आसपास घूम रहा था, जिससे किसान और पशुपालक दहशत में थे। देर रात वन विभाग की रणनीति सफल रही और गुलदार पिंजरे में कैद हो गया। सुबह सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। वन विभाग और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। अधिकारियों ने ग्रामीणों से खेतों और जंगल की ओर जाते समय सतर्क रहने तथा किसी भी जंगली जानवर की सूचना तुरंत विभाग को देने की अपील की है।

जहांगीराबाद में ईद उल अजहा को लेकर पुलिस प्रशासन ने किया बाइक से फ्लेग मार्च

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- आगामी ईद उल अजहा पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जहांगीराबाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आया। कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने भारी पुलिस बल के साथ नगर एवं आसपास के मिश्रित क्षेत्रों में बाइक फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च नगर के प्रमुख इलाकों सहित अमरगढ़, करोंजी, साँखनी, जलीलपुर, चचरई, बदरखा एवं रिबाड़ा आदि गांवों में किया गया। इस दौरान पुलिस ने लोगों से आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने कहा कि ईद उल अजहा का पर्व सभी लोग आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने विशेष रूप से अपील करते हुए कहा कि कुबार्नी से संबंधित कोई भी फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड न करें, जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत न हों और क्षेत्र का माहौल शांतिपूर्ण बना रहे। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने, अफवाह फैलाने अथवा माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया तथा लोगों में सुरक्षा का एहसास भी देखने को मिला।

ईवीएम वेयर हाउस का बाह्य निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम वेयर हाउस का बाह्य निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोदाम में संरक्षित ईवीएम मशीनों की सुरक्षा एवं संरक्षण व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अभिषेक सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक भरत राम यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बकरीद को लेकर शिकारपुर पुलिस अलर्ट, शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कसी कमर

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- बकरीद के त्योहार को देखते हुए शिकारपुर कोतवाली पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में शांति, सौहार्द और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने तैयारियां मुकम्मल कर ली हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए कोतवाली प्रभारी निरीक्षक यज्ञदत्त शर्मा ने बताया कि बकरीद का त्योहार शांतिपूर्ण और भाईचारे के साथ संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने पूरा खाका तैयार कर लिया है। सुरक्षा के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा का त्योहार पूरी तरह शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया जाएगा। किसी भी स्तर पर खलल डालने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए कोतवाली की स्थानीय पुलिस टीम लगातार एक्टिव रहेगी। नगर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल द्वारा लगातार पैदल और मोबाइल पेट्रोलिंग की जाएगी, ताकि सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, ईदगाह, मस्जिदों और प्रमुख बाजारों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन और सीसीटीवी से भी निगरानी की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र के नागरिकों से त्योहार को शांति और आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की है। साथ ही चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से किसी भी तरह की अफवाह फैलाने, भड़काऊ पोस्ट शेयर करने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिलसुरी में बनेगा 10.42 करोड़ का आधुनिक ग्रामीण स्टेडियम

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों और युवाओं को बड़ी सौगात मिली है। ग्राम बिलसुरी में 10.42 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक ग्रामीण स्टेडियम बनाया जाएगा। शासन ने निर्माण कार्य के लिए 5.21 करोड़ रुपये की पहली किश्त भी जारी कर दी है। विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री से स्टेडियम निर्माण की मांग की थी। प्रस्ताव के बाद शासन ने प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी। स्टेडियम निर्माण की जिम्मेदारी सीएंडडीएस उ.प्र. जल निगम को सौंपी गई है।

विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और खेल मंत्री गिरीश यादव का आभार जताते हुए कहा कि यह स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आएगा और यहां से राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार होंगे।

भीषण गर्मी में सरकारी अस्पतालों में वाटर कूलर लगाने की मांग

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- भीषण गर्मी को देखते हुए अपना दल एस के प्रदेश सचिव ठाकुर अमरपाल सिंह ने प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल से सरकारी अस्पतालों में वाटर कूलर लगवाने की मांग की है।

उन्होंने मंत्री को भेजे पत्र में बताया कि सेठ सूरजमल जटिया राजकीय चिकित्सालय एवं महिला अस्पताल में मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है। गर्मी के कारण लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है या फिर बाजार से बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा है। ठाकुर अमरपाल सिंह ने कहा कि प्रतिदिन सैकड़ों मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंचते हैं, ऐसे में जनहित को देखते हुए दोनों अस्पतालों में जल्द से जल्द वाटर कूलर लगाए जाने चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि मंत्री आशीष पटेल शीघ्र ही इस समस्या का समाधान कराएंगे

बिजली कटौती के विरोध में व्यापार मंडल ने किया प्रदर्शन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उद्योग व्यापार मंडल (नरेन्द्र) के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने अघोषित बिजली कटौती के विरोध में विद्युत विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि सरकार के 24 घंटे बिजली आपूर्ति के दावों के बावजूद शहर में लगातार कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या बनी हुई है, जिससे व्यापार और उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि भीषण गर्मी में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली से जनता परेशान है। वहीं नगर अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि कटौती से बाजार और फैक्ट्रियों का काम प्रभावित हो रहा है। महामंत्री मुकेश अरोड़ा और संगठन मंत्री धर्मराज ने चेतावनी दी कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो व्यापार मंडल उग्र आंदोलन करेगा। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री को ऑनलाइन ज्ञापन भेजकर अघोषित कटौती बंद कराने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई।

भाकियू किसान शक्ति की मासिक बैठक, समस्याओं का समाधान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन किसान शक्ति की मासिक बैठक मंगलवार को जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर स्थित शाहपुर मोड़, गढ़-मेरठ मार्ग पर प्रदेश कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया तथा मांगें पूरी न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि किसान लगातार प्राकृतिक आपदाओं, बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से फसलों के नुकसान, बढ़ती महंगाई, बिजली संकट, सिंचाई व्यवस्था की बदहाली तथा फसल नुकसान का उचित मुआवजा न मिलने जैसी समस्याओं से परेशान हैं। संगठन ने सरकार एवं प्रशासन से किसानों की समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की। भारतीय किसान यूनियन किसान शक्ति के पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों की मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन के लिए मजबूर होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

बैठक में मुख्य अतिथि करमवीर प्रधान, राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार गिरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा, राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र कुमार यादव, अनुज नागर, साजिद अली, मतलूब अली, राहुल गुर्जर, भरत चौहान सहित अनेक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रदेश कार्यालय पर किया गया।

अहमदगढ़ में प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त में निकाली जा रही प्रभात फेरी, सैकड़ों श्रद्धालु हो रहे शामिल

अहमदगढ़/बुलंदशहर (सब का सपना):- अहमदगढ़ में इन दिनों सुबह का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना हुआ है। प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में निकलने वाली प्रभात फेरी में महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं। राधे-कृष्ण भजनों और हरिनाम संकीर्तन से गांव में धार्मिक चेतना का संचार हो रहा है। प्रभात फेरी प्राचीन शिव मंदिर से शुरू होकर बूढ़े बाबा मंदिर, महाकालेश्वर मंदिर, पहासू रोड स्थित शिव मंदिर, कश्यप समाज मोहल्ला एवं चौपाल मार्ग से होकर पुनः प्राचीन शिव मंदिर पर संपन्न होती है। श्रद्धालु जयकारों और भजनों के साथ पूरे गांव को भक्तिमय बना रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रभात फेरी से युवाओं और बच्चों में धार्मिक संस्कार विकसित हो रहे हैं तथा गांव में सकारात्मक माहौल बन रहा है। प्रभात फेरी में डीके शर्मा, शिवकुमार बाबा, डिग्गी शर्मा, हरिकिशन सूर्यवंशी, राजकुमार शर्मा, रविंद्र शर्मा, भीमसेन कश्यप सहित सैकड़ों श्रद्धालु नियमित रूप से शामिल हो रहे हैं।

गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

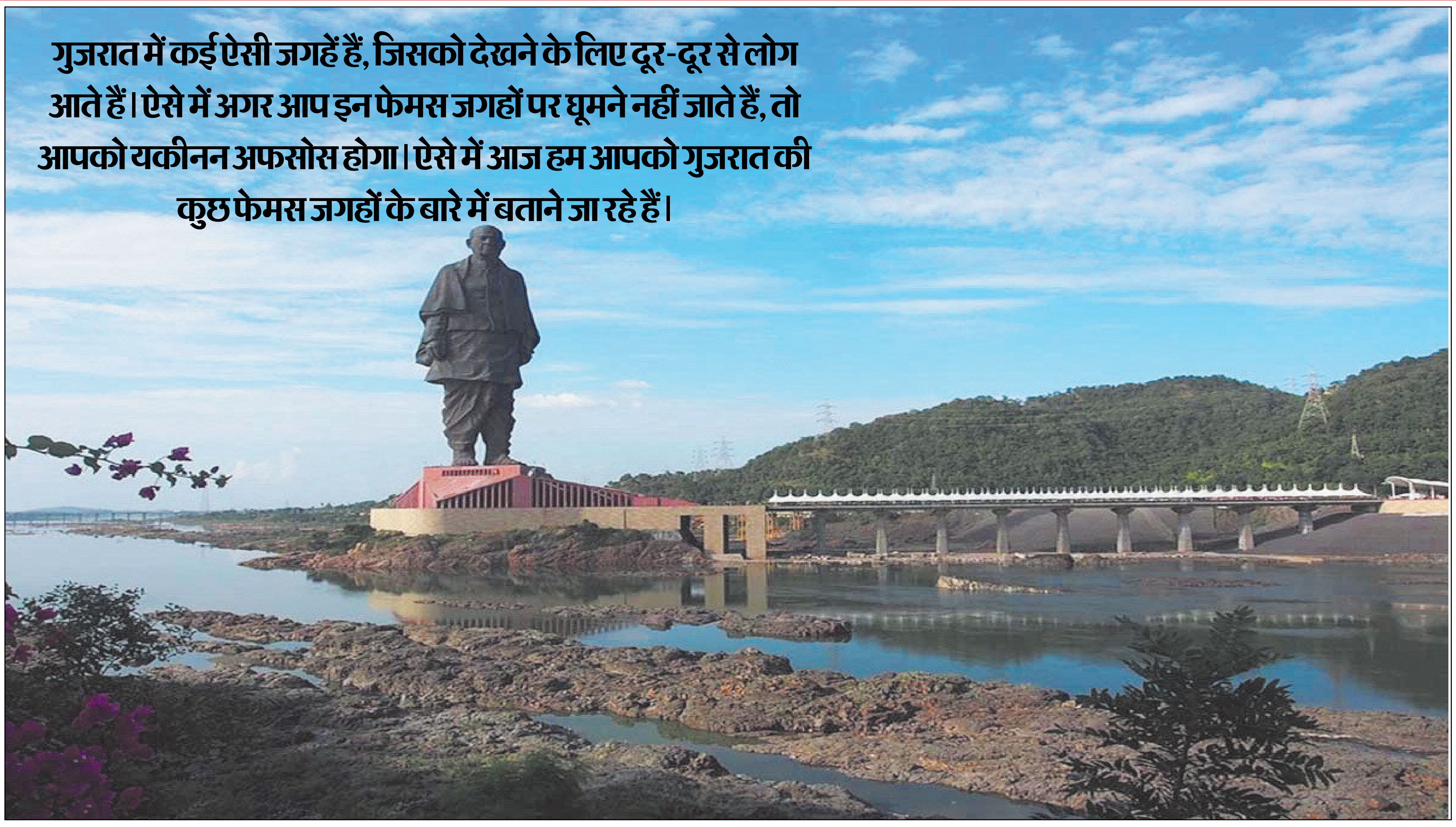

गुजरात घूमने का बना रहे प्लान तो इन जगहों को करें एक्सप्लोर, ट्रिप होगी यादगार

गुजरात घूमने जा रहे लोगों के लिए जरूरी है कि वह वहां के फेमस टूरिस्ट स्पॉट घूमने जरूर जाएं। क्योंकि जब भी आप किसी जगह पर घूमने के लिए जाते हैं। तो सबसे पहले आपके दिमाग में वही लोकेशन आती हैं। जिनके बारे में वह शहर जाना जाता है। गुजरात में कई ऐसी जगहें हैं, जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। ऐसे में अगर आप इन फेमस जगहों पर घूमने नहीं जाते हैं, तो आपको यकीनन अफसोस होगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गुजरात की कुछ फेमस जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आपको गुजरात की इन फेमस जगहों पर घूमने जरूर जाना चाहिए।

गिर राष्ट्रीय उद्यान

गिर राष्ट्रीय उद्यान भारत के फेमस उद्यानों में से एक है। इसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। गिर राष्ट्रीय उद्यान एशिया में सिंहों का एकमात्र निवास स्थान माना जाता है। यहां पर आप सफारी का भी आनंद ले सकते हैं। वहीं इस उद्यान में आपको कई तरह के प्रजातियों वाले जीव देखने को मिलेंगे। ऐसे में गुजरात आने के बाद आपको यहां जरूर आना चाहिए।

सोमनाथ मंदिर

आपको सोमनाथ मंदिर के भी दर्शन के लिए जाना चाहिए। यह भारत के प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिरों में से एक है। भगवान शिव के भक्त दूर-दूर से इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अरब सागर के तट पर स्थिति यह मंदिर खूबसूरत होने के साथ चमत्कारी भी माना जाता है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करने वाले लोगों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह परिवार के साथ घूमने के लिए अच्छी जगहों में से एक है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

बता दें कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची भव्य प्रतिमा देश की सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। साल 2018 में पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था। यह गुजरात का फेमस टूरिस्ट स्पॉट है। यहां का सुंदर नजारा काफी आकर्षित करता है। ऐसे में आप यदि गुजरात आ रहे हैं, तो आपको यहां आना अच्छा लगेगा।

आध्यात्म की तलाश में जा रहे ऋषिकेश तो इन जगहों पर जरूर जाएं, वरना अधूरी रह जाएगी यात्रा

आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अगर आप भी दिल्ली में रहते हैं और कही धार्मिक और आध्यात्मिक जगह पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको ऋषिकेश जाना चाहिए। यह दिल्ली के करीबी पर्यटन स्थलों में से एक है। ऋषिकेश योग और आध्यात्म की नगरी है और यहां का एडवेंचर भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खास बात यह है कि आप यहां पर किसी भी समय घूमने के लिए जा सकते हैं। ऐसे में आप इस वीकेंड ऋषिकेश को एक्सप्लोर कर सकते हैं और इस दौरान आपको ज्यादा खर्च भी नहीं करना पड़ेगा। वहीं अगर आप ऋषिकेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको यहां की पांच खास जगहों को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश जाने के दौरान कुछ समय त्रिवेणी घाट पर जरूर बिताना चाहिए। यहां पर तीन नदियों का संगम होता है।

धार्मिक मान्यता है कि गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है। हिंदू पौराणिक कथाओं में यह स्थान सबसे पवित्र माना जाता है। इस घाट पर सुबह, दोपहर और शाम के समय तीन बार गंगा आरती होती है। ऐसे में आपको शाम की गंगा आरती में जरूर शामिल होना चाहिए।

बकेश्वर मंदिर

ऋषिकेश का त्र्यंबकेश्वर मंदिर फेमस लक्ष्मण झूला के पार स्थित है। त्र्यंबकेश्वर मंदिर की स्थापना श्री श्री 108 भ्रमभीम स्वामी कैलाशानंद ने की थी। यह मंदिर 13 मंजिला और यह भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर 13 मंजिल मंदिर के नाम से जाना जाता है।

वशिष्ठ गुफा आश्रम

ऋषिकेश से करीब 25 किमी दूर प्राचीन आश्रम वशिष्ठ गुफा है। वशिष्ठ गुफा शांति और ध्यान के लिए अच्छा स्थान है। बताया जाता है कि इस गुफा में स्वामी पुरुषोत्तमानंद ने तप किया था। यहां पर आने वाले पर्यटकों को इस गुफा को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

जानकी सेतु

आध्यात्मिक शहर ऋषिकेश में मौजूद जानकी

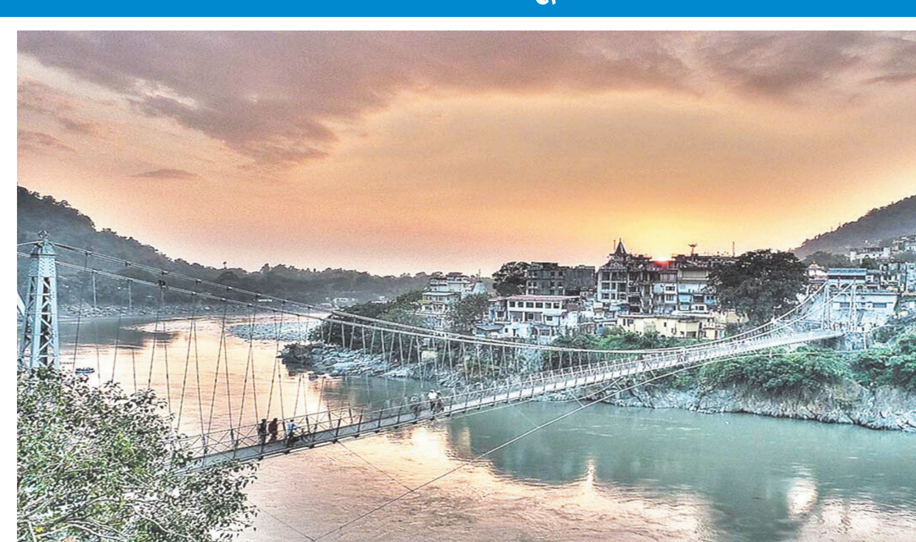

सेतु की खूबसूरती पर्यटकों का मन मोह सकती है। दरअसल, जी 20 बैठक के दौरान इस स्थान को बहुत सुंदर तरीके से सजाया गया था। सेतु और आसपास की दीवारों पर रंग-बिरंगी तस्वीरें जानकी सेतु पुल की सुंदरता में चार चांद लगाती है। वहीं यह फोटोशूट के लिए भी बेहतरीन जगह है। ऋषिकेश में योग पार्क और प्रियदर्शनी पार्क भी बना हुआ है।

बीटल्स आश्रम

बता दें कि साल 1961 में महर्षि महेश योगी द्वारा ऋषिकेश में योग और ध्यान की शिक्षा के लिए एक आश्रम का निर्माण कराया गया था। वहीं 60 के दशक में फेमस बीटल्स बैंड ध्यान की खोज में इस आश्रम पहुंचे थे। तब से यह आश्रम बीटल्स आश्रम के नाम से जाना जाने लगा। इस आश्रम में बीटल्स बैंड के सदस्य आकर रुके थे।

मनाली घूमने का बना रहे प्लान तो इन बातों का रखें ध्यान, ट्रिप में नहीं होगी कोई परेशानी

मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

गर्मियों का मौसम हो या फिर सर्दियों का, मनाली में हर सीजन में पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। गर्मी में ठंडक के एहसास के लिए लोग मनाली जाते हैं। वहीं सर्दियों में स्नो का नजारा देखने के लिए मनाली जाते हैं। यही वजह है कि यहां पर किसी भी मौसम में पर्यटकों की भीड़ कम नहीं होता है। मई-जून के महीने में अक्सर लोग पूरे परिवार के साथ मनाली ट्रिप का प्लान कर रहे हैं, क्योंकि गर्मियों में बच्चों की छुट्टियां पड़ती हैं। ऐसे में अगर आप इस महीने मनाली घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि मनाली घूमने जाने के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के मौसम में जा रहे हैं, यह सोचकर ट्रिप देर से न करें। प्रयास करें कि आस यात्रा की शुरूआत सुबह जल्दी करें। इससे आप आधा रास्ता जल्दी और सुकून से कवर कर लेंगे। वरना आप दिन में मनाली की सड़कों पर लगे जाम में घंटों तक फंसे रह सकते हैं।

यदि आप सोच रहे हैं कि गर्मियों में आपको मनाली में होटल सस्ते मिल जाएंगे, तो ऐसा नहीं है। क्योंकि इस दौरान पर्यटकों की भीड़ ज्यादा बढ़ जाती है, इसलिए आप भी पहले से होटल आदि बुक कर लें। वहीं आप मनाली घूमने के लिए ट्रैवल एजेंट या फिर ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं।

बता दें कि शहर में आपको पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना पड़ सकता है। इसलिए प्रयास करें कि आप ट्रैफिक से बचने के लिए सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। वहीं अगर आप अटल टनल, सोलांग वैली या रोहतांग के आसपास की जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो सुबह जल्दी होटल से निकल जाएं। ये जगहें सनसेट व्यू प्वॉइंट के लिए जाने जाते हैं।

वहीं मनाली में आप दिन में सर्दी लगने के कारण वहीं बल्कि तेज धूप की वजह से परेशान हो सकते हैं। इसलिए छाता और टोपी साथ लेकर चलें। वहीं गर्मी और सर्दी वाले कपड़े भी लेकर जाएं। क्योंकि रात के समय तापमान यहां पर कम हो जाता है। अगर आपको ऑनलाइन पेमेंट करने में समस्या हो सकती है, इसलिए कैश साथ लेकर चलें।

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अद्भुत संगम है डलहौज़ी

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं।

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित डलहौज़ी एक सुंदर और शांत पहाड़ी स्थल है, जो अपनी ठंडी जलवायु, हरे-भरे देवदार के जंगलों, और औपनिवेशिक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से लगभग 1,970 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शहर 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा स्थापित किया गया था और आज भी अपने ब्रिटिश युग की विरासत को सहेजे हुए है।

डलहौज़ी की विशेषताएँ

डलहौज़ी एक ऐसा स्थल है जहाँ प्राकृतिक सुंदरता, इतिहास और शांति का अनोखा मिश्रण देखने को मिलता है। यहाँ की वादियाँ, झीलें, जलप्रपात और दूर-दूर तक फैले पहाड़, किसी चित्रकार की कल्पना जैसे प्रतीत होते हैं। यह स्थल उन यात्रियों के लिए आदर्श है जो भीड़-भाड़ से दूर, सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. खजियार - भारत का 'मिनी स्विट्ज़रलैंड'

डलहौज़ी से लगभग 22 किमी दूर स्थित खजियार एक छोटा सा पठार है, जिसे घास के मैदान, झील और देवदार के पेड़ों से घिरा हुआ माना जाता है। यहाँ की खूबसूरती और खुला मैदान बच्चों और फोटोग्राफरों को बेहद पसंद आता है।

2. कालाटोप वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी

यह जंगल क्षेत्र वन्य जीव प्रेमियों और ट्रेकिंग करने वालों के लिए आदर्श स्थान है। यहाँ से धौलाधार पर्वतमाला के अद्भुत दृश्य दिखाई देते हैं।

3. पंचपुला

डलहौज़ी के पास स्थित यह जलप्रपात गर्मियों में बेहद लोकप्रिय होता है। यहाँ की ताजगीभरी हवा और पानी की कलकल ध्वनि मन को शांति देती है।

4. सुभाष बाओली

यह एक शांत जगह है जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस कुछ समय के लिए ठहरे थे। यह स्थान घने पेड़ों और पानी के झरनों से घिरा है।

5. सेंट जॉन और सेंट फ्रांसिस चर्च

ब्रिटिश काल में बनी ये चर्चें औपनिवेशिक वास्तुकला की सुंदर मिसाल हैं और पर्यटकों को अतीत से जुड़ने का अवसर देती हैं।

डलहौज़ी में क्या करें?

ट्रेकिंग और नेचर वॉक

फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग

लोकल हस्तशिल्प और ऊनी वस्त्रों की खरीदारी

हिमाचली व्यंजनों का स्वाद लेना (मदरा, चना मसर, सीडू आदि)

ध्यान और योग के लिए एकांत वातावरण का लाभ उठाना

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून- गर्मियों में ठंडी और सुहावनी जलवायु के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर- हरियाली और पर्वतीय शांति के लिए आदर्श।

दिसंबर से फरवरी- बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए स्वर्ग समान।

कैसे पहुँचे डलहौज़ी?

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा पठानकोट (लगभग 75 किमी) है।

रेल मार्ग- निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट है, जहाँ से टैक्सी या बस के माध्यम से डलहौज़ी पहुँचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी हिमाचल और पंजाब के प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा है।

डलहौज़ी उन यात्रियों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भीड़-भाड़ और तनाव से दूर, पहाड़ों की गोद में कुछ सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं। यहाँ का हर कोना एक अलग कहानी कहता है — कभी औपनिवेशिक इतिहास की, कभी प्रकृति की, और कभी आत्मिक शांति की।

नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए

जानी-मानी कोरियोग्राफर और रियलिटी शोज की जज गीता कपूर 6 जून से शुरू होने वाले रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 5' में बतौर जज नजर आएंगी। इससे पहले बातचीत के दौरान गीता ने नए सीजन, रियलिटी शोज में आए बदलाव, सोशल मीडिया के असर और स्क्रिप्टेड कंटेंट को लेकर खुलकर अपनी राय रखी।

नए सीजन और पैनल की बात करते हुए गीता कपूर ने नए जज जावेद जाफरी के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, 'इस बार पैनल का पूरा माहौल अलग है। चौथे जज के तौर पर जावेद जाफरी जुड़े हैं। उनके पास बहुत अनुभव है। डांस और फिल्ममेकिंग की गहरी समझ है। खास बात ये भी है कि मैं उनके साथ लगभग 35 साल पहले काम कर चुकी हूं, इसलिए उनके साथ बैठना भी अपने आप में नया अनुभव है।' शो में इस बार क्या अलग होने वाला है? इस पर गीता ने कहा, 'इस बार शो में बहुत ज्यादा रीमिक्स गाने नहीं होंगे। आप गानों को लगभग उनके असली रूप में सुनेंगे। पहले बॉलीवुड डांस में वेस्टर्न स्टाइल का तड़का लगाया जाता था, लेकिन इस बार बॉलीवुड डांस अपने असली अंदाज में नजर आएगा।'

नई पीढ़ी और इंडियन कल्चर पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'मुझे लगता है कि इतने साल तक हमने दुनिया भर से इंस्पिरेशन लेकर बॉलीवुड गानों पर अलग-अलग डांस स्टाइल्स दिखाए। लेकिन कहीं न कहीं हम भूल गए कि हमारी अपनी संस्कृति और हमारे गानों में भी कितनी खूबसूरती है। आज की नई पीढ़ी बाहर की चीजों से बहुत प्रभावित है, इसलिए यह जरूरी है कि वे अपनी जड़ों और अपनी कल्चर से भी जुड़ी रहें।'

लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है

रियलिटी शोज में आए बदलावों पर बात करते हुए गीता कपूर ने कहा, 'सोशल मीडिया का असर बहुत ज्यादा बढ़ गया है। लोगों का अटेंशन स्पैन बहुत छोटा हो गया है। कुछ देखते ही लोग कह देते हैं कि ये तो देख लिया या अब बोर हो गए, कुछ और देखते हैं। पहले तीन-चार मिनट की परफॉर्मेंस लोगों को बांधकर रखती थी, लेकिन अब ऐसा करना मुश्किल हो गया है।'

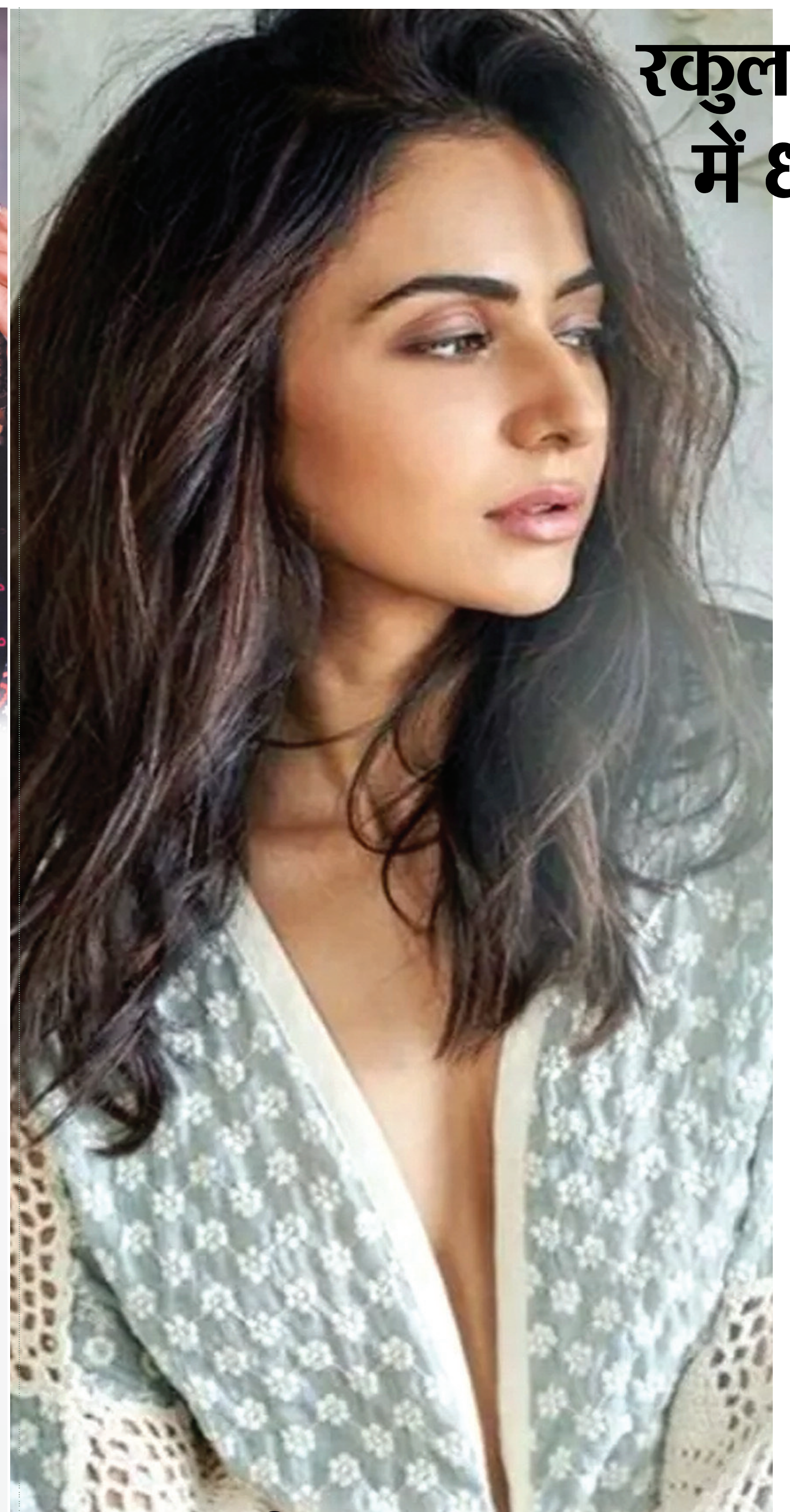

रकुल प्रीत सिंह ने रिश्ते में धोखे पर रखी बात

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक ठाक प्रदर्शन कर रही है। इस बीच अभिनेत्री ने बेवफाई के मुद्दे पर अपनी राय रखी है।

रिश्तों के बारे में खुलकर बात करते हुए, एक्ट्रेस ने माना कि एक बार की गलती को कभी-कभी माफ किया जा सकता है। अभिनेत्री का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब जैकी भगनानी ने अपनी और रकुल प्रीत सिंह की शादी को सिचुएशनशिप बताया था।

रिश्ते में धोखा देना स्वीकार्य नहीं

हाल ही में रकुल प्रीत ने द बॉम्बे जर्नी के साथ बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या किसी रिश्ते में धोखा देना कभी स्वीकार्य हो सकता है, तो रकुल ने तुरंत नहीं में जवाब दिया।

बेवफाई पर बोली रकुल

इसके बाद, रकुल प्रीत ने कहा, 'यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि गलती कितनी बड़ी है। गलती की हद क्या है? रकुल ने आगे कहा 'अगर किसी से एक बार गलती हो जाती है, तो जिंदगी इतनी लंबी है कि एक गलती के लिए किसी को माफ न करना सही नहीं है। कृपया ध्यान दें। यह बात मेरे निजी रिश्ते पर लागू नहीं होती।' रकुल ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि अगर कोई माफ करता है, तो उसे आखिरकार उस गलती को भूलना ही पड़ता है।

जैकी भगनानी ने दिया था बयान

यह सब तब हुआ, जब कुछ दिन पहले ही रकुल और उनके पति जैकी भगनानी की निजी जिंदगी चर्चा का विषय बन गई थी। इसकी वजह जैकी का अपनी शादी को लेकर दिया गया सिचुएशनशिप वाला बयान था। बातचीत में जैकी ने कहा रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हम एक तरह की 'सिचुएशनशिप' में हैं। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। इसीलिए तो हमने शादी की है। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं उनसे किसी भी चीज के बारे में बात कर सकता हूं।' रकुल ने शेयर किया वीडियो जैकी के इस बयान पर तुरंत प्रतिक्रियाएं आने लगीं। कई लोगों ने इस बयान को गलत समझ लिया। बाद में रकुल ने एक मजाकिया वीडियो के जरिए इस मामले पर बात की। वीडियो में उन्होंने जैकी से कान पकड़वाए और मजाक में कहा, 'इसे कितनी बार बोला है कि हम मिलेनियल्स हैं, जेन जी बनने की कोई जरूरत नहीं है! बोला था ना?' जैकी उनके बगल में खड़े कान पकड़े हुए नजर आए। फिर वह मुस्कुराए और 'सॉरी' कहा।

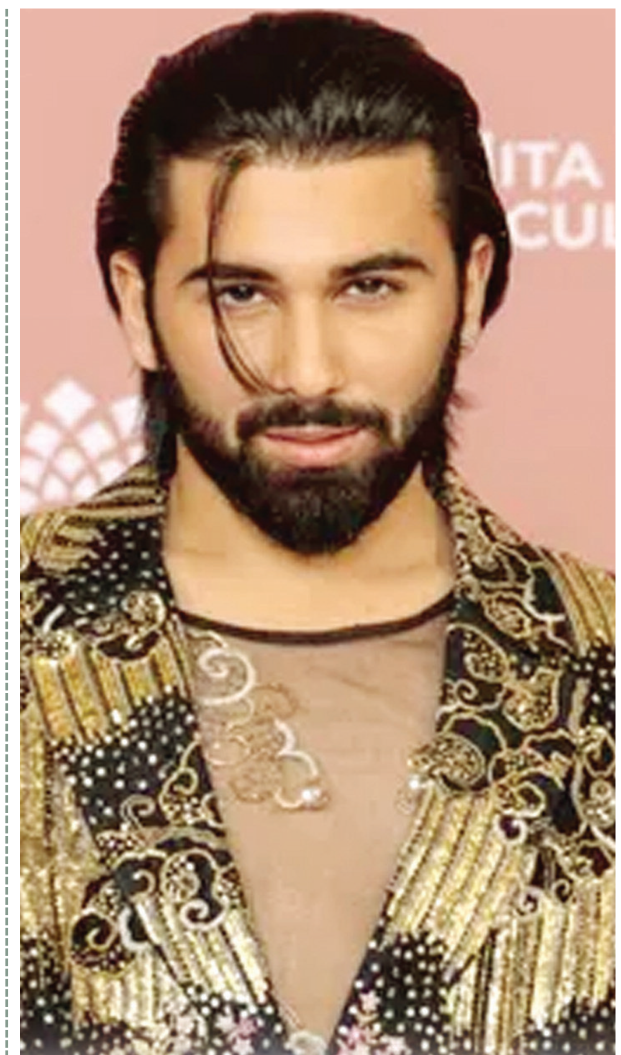

खतरों के खिलाड़ी 15 डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा

सोशल मीडिया पर छाए रहने वाले ओरी अब रियलिटी टीवी शो की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं। ओरी, रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 15वें सीजन में नजर आएंगे। उन्होंने मजाक में कि यह उनका डेब्यू होने के साथ-साथ रिटायरमेंट भी होगा। बातचीत में ओरी ने खुलकर अपनी तैयारियों और भावनाओं के बारे में बताया। उन्होंने साफ कहा कि यह उनका पहला वास्तविक रियलिटी शो अनुभव होगा। ओरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'मैं एक 'रियलिटी शो वर्जिन' हूं। यह मेरा डेब्यू भी होगा और मेरा रिटायरमेंट भी।' उन्होंने बताया कि वह पहले बिग बॉस में सिर्फ एक दिन के लिए गए थे, इसलिए उसे वह रियलिटी शो का वास्तविक अनुभव नहीं मानते। ओरी ने अपनी तैयारी को लेकर एक दिलचस्प और चौंकाने वाला खुलासा भी किया। उन्होंने बताया कि शो की तैयारी के तौर पर उन्होंने 'बिकनी वैक्स' भी करवाया है। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं इसके लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। मैं पैदाइशी ही ऐसा हूं। मैं इतना उत्साहित हूं कि मैंने बिकनी वैक्स भी करवा लिया। आप इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरा उत्साह कितना है।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह दर्द सहन करने की उनकी परीक्षा थी, तो ओरी ने जवाब दिया, 'हां, यह इस बात की परीक्षा थी कि मैं कितना दर्द सहन कर सकता हूं। अब मुझे लगता है कि बिजली के झटकों से भी मुझे कोई तकलीफ नहीं होगी। अगर कोई स्विमिंग टास्क आया तो मैं आसानी से तैर लूंगा।' ओरी ने आगे कहा कि बहुत से लोग इस शो में अपने डर पर काबू पाने के लिए आते हैं, लेकिन उनके लिए यह शो यह जानने का मौका है कि क्या अब भी उन्हें किसी चीज से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी पहले ही काफी थकाने वाली रही है। अब यह शो बताएगा कि मेरे अंदर अभी भी कोई डर बचा है या नहीं। असली जवाब तो शो में ही मिलेगा।'

खतरों के खिलाड़ी शो मेरे दिल के बहुत करीब है

मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर कलर्स टीवी के लोकप्रिय स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से होस्ट के तौर पर वापसी कर रहे हैं। उन्होंने दर्शकों के बीच शो को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए पोस्ट शेयर किया। निर्देशक रोहित शेट्टी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, 'इस शो के होस्ट के तौर पर मेरा यह 10वां सीजन है और यह शो मेरे दिल के बहुत करीब है। इतने सालों से मुझे और इस शो को इतना प्यार देने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद। 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 15 जल्द आ रहा है। बता दें कि इस सीजन की शूटिंग साउथ अफ्रीका के केपटाउन में शुरू हो चुकी है।

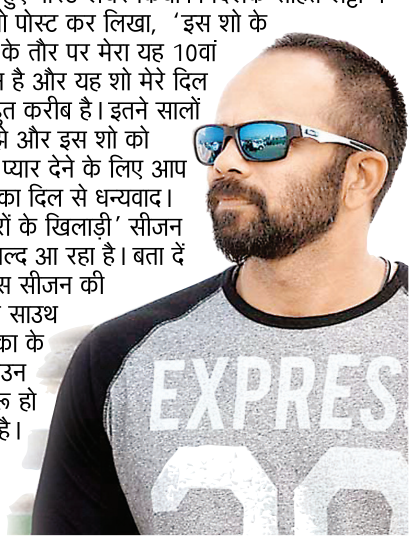

ईमानदारी से काम किया तो मुश्किलें अपने आप दूर हो जाती हैं

लोकप्रिय टीवी शो 'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही अभिनेत्री अद्रिजा रॉय को उनके इस किरदार में काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच अभिनेत्री ने काम को लेकर अपने विचार प्रशंसकों के सामने रखी। अद्रिजा का स्पष्ट मानना है कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत के साथ अगर आप पूरी लगन से अपना काम करते हैं तो राह में आने वाली मुश्किलें और बाधाएं अपने आप दूर हो जाती हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अद्रिजा रॉय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीवी शो 'अनुपमा' में उनकी एंट्री के बावजूद वे हमेशा से जानती थीं कि यह शो रूपाली गांगुली के किरदार 'अनुपमा' के इर्द-गिर्द घूमता है। उन्होंने कहा, ''जब मुझे नई पीढ़ी के लीप के लिए संपर्क किया गया तो मैं बेहद उत्साहित थी। 'अनुपमा' अपने आप में एक ब्रांड है। इतने बड़े और सफल शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है। मुझे जो भूमिका और जगह दी गई, उससे मैं पूरी तरह संतुष्ट और खुश हूं।'' वे मानती हैं कि सफलता की राह में चुनौतियां आती हैं, लेकिन सही मंशा और मेहनत के साथ हर मुश्किल आसान हो जाती है। उन्होंने बताया कि वह शोहरत, टीआरपी या रैंकिंग की बजाय अपने काम और परफॉर्मेंस पर पूरा ध्यान देती हैं। अद्रिजा ने बताया, ''मेरा हमेशा से मानना है कि ईमानदारी से अपना काम किया जाए तो राह में आने वाली मुश्किलें अपने आप ठीक हो जाती हैं। 'अभिनेत्री ने 'अनुपमा' के प्रोड्यूसर राजन शाही की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर हर एक्टर को यही सलाह देते हैं कि टीआरपी या रेटिंग के बारे में न सोचें, बस अपनी परफॉर्मेंस पर ध्यान दें। अद्रिजा भी इसी विचार से सहमत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बाहरी दबाव या तनाव को ज्यादा प्रभावित नहीं होने देती। हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हूं।'' क्ट्रेस का यह भी मानना है कि उनमें और शो के उनके किरदार में कई समानताएं हैं। उन्होंने बताया, मुझमें और राही में निश्चित रूप से कई समानताएं हैं, खासकर सकारात्मक नजरिए से।

ऊपरवाला देता है तो छप्पर फाड़कर देता है

'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके विनीत कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया- वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी।

आग में तपकर ही सोना कुंदन बनता है। एक जमाने में विनीत कुमार ने चाहे जितना भी संघर्ष किया हो, मगर आज उन्हें अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा का फल मिल रहा है। बीता साल उनके लिए बहुत ही मुफीद रहा। पिछले साल उनकी 8 फिल्में रिलीज हुई और उन फिल्मों में 'छावा', 'निशानची', 'सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव' जैसी फिल्मों में उन्हें खूब तारीफ भी मिली। इस साल वे चर्चा में हैं 'हैलो बच्चों' और 'मटका किंग' से।

विनीत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'शक्ति शालिनी' की शूटिंग कर रहे हैं। सभी जानते हैं कि गर्मी ने पूरे देशभर में हाहाकार मचा कर रखा हुआ है और ग्वालियर में भी खूब पारा चढ़ा हुआ है। ऐसे में विनीत हीट को बीट करने के तमाम तरीके अपना रहे हैं।

वे कहते हैं, 'गर्मी के मारे तो हमारा बुरा हाल है। हाल ही में तापमान 44 डिग्री था, ऐसे में शूटिंग करना आसान नहीं होता। हां, बीच में एक दिन ईश्वर की कृपा से बारिश हो गई थी और कुछ ठंडक भी, मगर फिर वही गर्मी का प्रकोप। यहां सुबह और शाम अच्छी होती है, मगर दोपहर तो आग ही उगलती है। ऐसे में मैं देसी उपाय करता हूं। सत्तू को पानी में मिलाकर उसमें जीरा और नमक डाल कर उसे पीने से बॉडी में ठंडक बनी रहती है। दूसरा घरेलू उपाय है सब्जा। यह भी काफी फायदेमंद है। इसे पानी में भिगोकर रखने के बाद साथ में कैरी किया जा सकता है। ये दो-तीन घंटे तक चलता है। ये सारे नुस्खे मैं ही नहीं बल्कि मेरा स्टाफ भी आजमाता है। जाहिर-सी बात है कि मेरी टीम ही है, जो मेरे लिए इतनी भागदौड़ करती है।' शूटिंग के दौरान होने वाली भयंकर गर्मी का एक किस्सा याद करते हुए वे कहते हैं, 'हम लोग बनारस में मुक्केबाज की शूटिंग कर रहे थे गर्मी के मौसम में टेम्प्रेचर 47 डिग्री शूटिंग की बड़ी-बड़ी हैवी लाइट्स, मैं बॉक्सिंग रिंग में दस-दस घंटे फाइट्स लड़ता था। एक दिन तो मैं एक ऐसी फाइट लड़ रहा था, जो डिजाइन नहीं थी। वो रियल फाइट थी और मैं कह सकता हूं कि वो मेरे करियर की सबसे मुश्किल शूटिंग थी। उस दिन मैंने 5 फाइट्स लड़ी थीं। आज जब भी किसी मुश्किल वेदर कंडीशन में काम करता हूं,तो खुद को मुक्केबाज की शूटिंग की याद दिलाता हूं। उससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

बेटे के लिए दुनिया को बेहतर बनाना है

अपने फादरहुड के अहसास के बारे में वे कहते हैं, 'जब मैं पिता बना, तो मुझे अहसास हुआ कि हमारे माता-पिता ने हमारे लिए कितनी कुर्बानियां दी होंगी, अपनी कितनी ही रातों की नींद खराब की होगी। हर आवाज पर अलर्ट रहना पड़ा होगा। हालांकि मुझे पता हमेशा से था, मगर अहसास अब हुआ। अब लगता है कि दुनिया बेहतर होनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मेरा बेटा उसी दुनिया में पलने वाला है। हालांकि वो अभी काफी छोटा है।'

मेरे रोल को धुरंधर का बड़ा साब कहा जा रहा है

वर्क फ्रंट पर तो विनीत कुछ ज्यादा ही मसरूफ हैं। वे कहते हैं, 'अभी मैं मध्य प्रदेश में फिल्म शक्ति शालिनी की शूटिंग कर रहा हूं। कहानी और किरदार के बारे में अभी ज़्यादा नहीं बता पाऊंगा। मगर इतना जरूर कहूंगा कि छावा के बाद प्रॉडक्शन हाउस के साथ यह मेरा दूसरा काम है, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार हैं, और उनके साथ काम करने में बहुत मज़ा आ रहा है। हम लोग ग्वालियर और उसके आसपास की रियल लोकेशन्स पर शूट कर रहे हैं। काफी इंटीरियर्स में जाकर शूट हो रहा है, जिससे फिल्म में एक ऑथेंटिक फील आएगी।' हाल ही में विनीत वेब सीरीज मटका किंग में डॉन दाऊद के छोटे -से अपीयरेंस में भी सराहे गए। चर्चा है कि 'मटका किंग पार्ट 2' में उनका काफी लंबा-चौड़ा रोल है। वे कहते हैं, 'आगे का मैं कुछ खुलासा नहीं कर सकता, मगर हां इस सीरीज में मेरी भूमिका के बाद लोग मेरे रोल की तुलना 'धुरंधर' के बड़ा साब से जरूर करने लगे हैं। मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि इस सीरीज से पहले मैं हैलो बच्चों में एक टीचर की भूमिका की थी।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।